R.N.I. NO. UPHIN/2013/55150

हिन्दी दैनिक

लखनऊ का अभिमान

उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 10 अंक : 273 | लखनऊ, बुधवार 14 मई 2025 | मूल्य-1.00 रूपया | पृष्ठ - 08

हर आतंकी हमले का जवाब अपनी शर्तों पर देंगे, पाकिस्तान में ऐसा कोई ठिकाना नहीं, जहां आतंकी चैन से रह सकें : मोदी

जालंधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार सुबह पंजाब के आदमपुर एयरबेस पहुंचे। यहां उन्होंने एयरफोर्स के जवानों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने एयरबेस पर ही जवानों को संबोधित भी किया। पीएम मोदी ने कहा भारत में निर्दोष लोगों का खून बहाने का अंजाम एक ही अंजाम होगा विनाश और महाविनाश। जिस पाकिस्तानी सेना के भरोसे ये आतंकी बैठे थे, भारत की सेना, एयरफोर्स और नेवी ने उस पाकिस्तानी सेना को भी धूल चटा दी है। एयरबेस पर पीएम ने यह भी कहा कि पाकिस्तान में ऐसा कोई ठिकाना नहीं है, जहां बैठकर आतंकवादी चौन की सांस ले सकें। हम घर में घुसकर मारेंगे और बचने का एक मौका तक नहीं देंगे। हमारे ड्रोन्स, मिसाइलों के बारे में सोचकर पाकिस्तान को कई दिन तक नींद नहीं आएगी। पीएम ने कहा, पाकिस्तान की गुहार के बाद भारत ने सिर्फ अपनी सैन्य कार्रवाई को स्थगित किया है। अगर पाकिस्तान ने फिर से आतंकी गतिविधि या सैन्य दुस्साहस दिखाया तो हम उसका मुंह तोड़ जवाब देंगे। यह जवाब अपनी शर्तों पर, अपनेतरीके से देंगे। इस निर्णय की आधारशिला, इसके पीछे छिपा विश्वास आपका धैर्य, शौर्य, साहस और सजगता। आपका हौसला, ये जुनून, ये जज्बा ऐसे ही बरकरार रखना है। हमें लगातार मुस्तैद रहना है। हमें तैयार रहना है। हमें दुश्मन को याद दिलाते रहना है कि ये नया भारत है, ये शांति चाहता है लेकिन मानवता पर हमला होता है तो भारत युद्ध के मोर्चे पर दुश्मन को मिट्टी में मिलाना भी अच्छी तरह जानता है। पीएम ने कहा, आज हमारे पास नई टेक्नोलॉजी का सामर्थ्य है, जिसका पाकिस्तान सामना नहीं कर सकता है। एयरफोर्स सहित सभी सेनाओं के पास दुनिया की श्रेष्ठ तकनीक पहुंची है, नई टेक्नोलॉजी के साथ चुनौतियां भी उतनी बड़ी होती हैं। कॉम्प्लिकेटेड और सोफेस्टिकेटेड सिस्टम को मेंटेन करना और एफिशिएंसी के साथ चलाना स्किल है। आपने सिद्ध कर दिया है कि आप इस गेम में दुनिया में बेहतरीन हैं। भारत की वायुसेना सिर्फ हथियारों से ही नहीं, डेटा और ड्रोन से भी दुश्मन को छकाने में माहिर हो गई है। पीएम ने कहा, यह अब भारतीय सेनाओं के मजबूत स्वरूप की पहचान है। ऑपरेशन सिंदूर में मैन पावर के साथ ही मशीन का कॉर्डिनेशन भी अद्भुत रहा है। भारत के पारंपरिक एयरडिफेंस सिस्टम, आकाश जैसे मेड इन इंडिया प्लेटफॉर्म, एस-400 जैसे आधुनिक डिफेंस सिस्टम ने अभूतपूर्व मजबूती दी है। एक मजबूत सुरक्षा कवच भारत की पहचान बन चुका है। पाकिस्तान की लाख कोशिश के बाद भी हमारे एयरबेस हों या डिफेंस इन्फ्रास्ट्रक्चर पर आंच तक नहीं आई। इसका श्रेय आप सभी को जाता है। पीएम ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का एक-एक क्षण भारत की सेनाओं के सामर्थ्य की गवाही देता है। इस दौरान हमारी सेनाओं का कॉर्डिनेशन वाकई शानदार था। आर्मी हो, नेवी हो या एयरफोर्स सबका टाइमिंग जबरदस्त था। नेवी ने समुद्र पर दबदबा बनाया, सेना ने बॉर्डर पर मजबूती दी, एयरफोर्स ने अटैक और डिफेंस दोनों किया। बीएसएफ और दूसरे बलों ने अद्भुत क्षमताओं का प्रदर्शन किया। पीएम बोले, पाकिस्तान के ड्रोन, उसके यूएवी, एयरक्राफ्ट, मिसाइलें हमारे सशक्त एयरडिफेंस के सामने ढेर हो गए।

एक नजर में....

ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल खड़े करना गलत है : वारिस पठान

मुंबई ऑपरेशन सिंदूर पर कांग्रेस पार्टी के नेताओं की तरफ से की जा रही बयानबाजी पर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रवक्ता वारिस पठान ने सोमवार को निशाना साधा। एआईएमआईएम प्रवक्ता वारिस पठान ने कहा, भारतीय सेना पर कोई सवाल खड़ा नहीं कर सकता है और जो लोग ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सवाल खड़े कर रहे हैं, वह गलत हैं। हम सेना के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा, जब पहली बार सर्वदलीय बैठक हुई, तब सभी पार्टियों ने कहा था कि सरकार आतंकवाद के खिलाफ जो भी कदम उठाएगी, हम सब उसके साथ हैं। हम सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। सेना ने अपने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि उन्होंने पाकिस्तान में कई आतंकवादी ठिकानों को खत्म करने का काम किया है। यह बात बिल्कुल सही है, हमने पाकिस्तान की रीढ़ की हड्डी तोड़ दी है। भारतीय सेना जो कहती है, वही हमारे लिए अंतिम सत्य होता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, मैं भारतीय जनता पार्टी के कई नेताओं को सुन रहा था, जिसमें वो कह रहे थे कि पाकिस्तान के साथ युद्ध नहीं था। अगर युद्ध नहीं था, तो युद्ध विराम कैसे हुआ? अच्छी बात होती कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जगह पीएम मोदी सीजफायर की जानकारी देते। शिमला समझौते पर साफ तौर पर कहा गया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच कोई तीसरा देश नहीं आ सकता।

एमपी के मंत्री का कर्नल सोफिया पर आपत्तिजनक बयान

महू मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री विजय शाह ने भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक बयान दिया है। उन्होंने कहा- जिन लोगों ने हमारी बेटियों का सिंदूर उजाड़ा था, मोदी जी ने उन्हीं की बहन भेजकर उनकी ऐसी की तैसी करा दी। यह बयान शाह ने सोमवार को इंदौर के महू के रायकुंडा गांव में आयोजित हलमा कार्यक्रम में दिया था। इसका वीडियो मंगलवार को वायरल हुआ। इसमें वह ये भी कह रहे हैं कि मोदी समाज के लिए जी रहे हैं और समाज के लिए काम कर रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद मंत्री विजय शाह ने मंगलवार को न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा प्रधानमंत्री ने हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ने वालों को उन्हीं की भाषा में जवाब दिया है। मेरे भाषण को अलग संदर्भ में न देखें। कुछ लोग इसे अलग संदर्भ में देख रहे हैं। वो हमारी बहनें हैं और उन्होंने पूरी ताकत से सेना के साथ मिलकर काम किया है। भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी ने एयरफोर्स की विंग कमांडर व्योमिका सिंह के साथ प्रेस ब्रीफ में भारत के पाकिस्तान पर किए ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी थी। दोनों ऑफिसर्स ने ऑपरेशन सिंदूर की पूरी कहानी बताई।

सर्वदलीय बैठक होने पर ट्रंप के दावों पर सरकार से करेंगे सवाल : खरगे

नयी दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि सर्वदलीय बैठक बुलाए जाने पर उसमें विपक्ष अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उन दावों के संबंध में सरकार से सवाल करेगा कि उनके प्रशासन ने भारत और पाकिस्तान के बीच ''संघर्षविराम कराने में मदद की। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि वह सरकार से ''संघर्षविराम सहित भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के नवीनतम घटनाक्रम पर चर्चा करने के लिए जल्द ही एक सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह करेंगे। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''ट्रंप श्रेय लेते हुए दावे कर रहे हैं। ये लोग (प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार) कुछ नहीं कह रहे हैं। यह एक संवेदनशील मामला है। जब सर्वदलीय बैठक बुलाई जाएगी, तो हम चर्चा करेंगे कि क्या मामला है, क्या हुआ और टेलीफोन पर क्या बातचीत हुई? इन सभी चीजों पर सवाल पूछेंगे। यह पूछे जाने पर क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ट्रंप की 'मध्यस्थता के लिए तैयार हो गए हैं, खरगे कहा, ''मेरे लिए अभी इस बारे में बोलना सही नहीं होगा। आज हमारी पार्टी की बैठक है। मैं उसके लिए जा रहा हूं। मैं (केंद्र) से सर्वदलीय बैठक बुलाने के लिए कहूंगा। देखते हैं, वे क्या करेंगे। भारत सरकार के सूत्रों का कहना है कि भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच बातचीत के बाद सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी और इसमें कोई तीसरा पक्ष शामिल नहीं था।

विराट-अनुष्का प्रेमानंद महाराज से मिलने पहुचे,महाराज ने विराट से पूछा- प्रसन्न हो

मथुरा विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के अगले दिन मथुरा के वृंदावन पहुंचे। पत्नी अनुष्का शर्मा भी उनके साथ थीं। दोनों सुबह प्रेमानंद महाराज के केली कुंज आश्रम पहुंचे। दोनों ने प्रेमानंद महाराज को दंडवत प्रणाम कर आशीर्वाद लिया। प्रेमानंद महाराज ने विराट और अनुष्का से पूछा प्रसन्न हो? इस पर विराट ने मुस्कुराकर कहा हां। महाराज ने दोनों को आशीर्वाद दिया जाओ, खूब आनंदित रहो, नाम जप करते रहो। इस पर अनुष्का ने पूछा बाबा क्या नाम जप से सबकुछ पूरा हो जाएगा? महाराज ने कहा हां, सब पूरा होगा। विराट और अनुष्का मथुरा के होटल रेडिसन में ठहरे हुए थे। दोनों सुबह 7.20 बजे प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचे थे। जानकारी के मुताबिक दोनों ने महाराज से करीब 7 मिनट तक अकेले में भी बातचीत की। प्रेमानंद आश्रम की तरफ से इस मुलाकात का पूरा वीडियो भी जारी किया गया है। प्रेमानंद महाराज के आश्रम से जाने के करीब आधे घंटे बाद विराट-अनुष्का लौटे। आश्रम में 2 घंटे 20 मिनट ठहरकर वे सुबह 9.40 बजे वहां से निकले। इस दौरान दोनों ने आश्रम के कामकाज को देखा-समझा। प्रेमानंद महाराज ने कहा वैभव मिलना कृपा नहीं है। यह पुण्य है। भगवान की कृपा अंदर का चिंतन बदलना है। इससे आपके अनंत जन्मों के संस्कार भस्म होते हैं और अगला जन्म बड़ा उत्तम होता है। भगवान जब कृपा करते हैं तो संत समागम देते हैं। दूसरी कृपा जब होती है तो विपरीतता देते हैं और फिर अंदर से एक रास्ता देते हैं। यह शांति का रास्ता नहीं। भगवान वो रास्ता देते हैं और जीव को अपने पास बुला लेते हैं। बिना प्रतिकूलता के संसार का राग नष्ट नहीं होता। महाराज ने कहा भगवान ने बिना प्रतिकूलता के इस संसार को छुड़ाने की कोई भी औषधि नहीं रखी। आज तक जितने बड़े महापुरुष हुए हैं, जिनका जीवन बदला है, उनको प्रतिकूलता के दर्शन करने पड़े हैं।

एयर इंडिया, इंडिगो की कई उड़ानें रद्द, यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी

नयी दिल्ली भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा स्थिति के चलते जम्मू कश्मीर, पंजाब, राजस्थान के कई हिस्सों से आने-जाने वाली उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। साथ ही यात्रियों के लिए यात्रा संबंधी एडवाइजरी भी जारी की गई है। एयर इंडिया ने मंगलवार, 13 मई को जम्मू, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट से आने-जाने वाली सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। यह निर्णय हाल के घटनाक्रमों और यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। एयर इंडिया ने एक बयान में कहा, नवीनतम घटनाक्रम को देखते हुए और आपकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, जम्मू, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट से आने-जाने वाली उड़ानें मंगलवार, 13 मई को रद्द कर दी गई हैं। हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं और आपको अपडेट रखेंगे। अधिक जानकारी के लिए, कृपया हमारे संपर्क केंद्र पर 011-69329333 ध 011-69329999 पर कॉल करें या हमारी वेबसाइट पर जाएं। इंडिगो ने भी यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की और 13 मई को कई उड़ानें रद्द कर दी गईं। इनमें जम्मू, अमृतसर, चंडीगढ़ जाने वाली उड़ानें रद्द कर दी गईं। इसी तरह श्रीनगर, लेह, राजकोट जाने वाली भी उड़ानें रद्द हैं। इंडिगो ने असुविधा के लिए खेद जताया है और कहा है कि हमारी टीम लगातार हालातों पर नजर बनाए रख रही है और हम आपको आगे की अपडेट के लिए सूचित करते रहेंगे। एयरपोर्ट आने से पहले कृपया ऐप या व्हाट्सएप पर अपनी उड़ान की जानकारी जरूर लें। वहीं दिल्ली एयरपोर्ट की ओर से जारी एडवाइजरी के अनुसार, दिल्ली हवाई अड्डे पर कामकाज सामान्य रूप से चल रहा है। हालांकि, हवाई क्षेत्र की बदलती स्थिति और नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो द्वारा बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था के कारण, कुछ उड़ानों के शेड्यूल में बदलाव हो सकता है और सुरक्षा जांच में अधिक समय लग सकता है। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी-अपनी एयरलाइन से ताजा जानकारी लेते रहें। हैंडबैग और चेक-इन सामान के नियमों का पालन करें। सुरक्षा चेकपॉइंट्स पर संभावित देरी को ध्यान में रखते हुए जल्दी पहुंचें। सुविधाजनक प्रक्रिया के लिए एयरलाइन और सुरक्षा कर्मचारियों का सहयोग करें।

सही मायने में सशक्तीकरण हाथ थामने से होता है, उपराष्ट्रपति धनखड़ बोले, मुफ्त की रेवड़ी बांटने से नहीं

नयी दिल्ली उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि सही मायने में सशक्तीकरण किसी की मदद कर उसे समर्थ बनाने में है, न कि मुफ्त की रेवड़ियां या तोहफे बांटने से। धनखड़ ने यह भी कहा कि जब महिलाएं आगे आती हैं तो संतुलित आर्थिक और सामाजिक विकास होता है। उन्होंने मेघालय के स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के सदस्यों से बातचीत में कहा, ''किसी व्यक्ति को मुफ्त की रेवड़ियां देकर या तोहफे बांटकर सशक्त करना सही मायने में सशक्तीकरण नहीं है। सही मायने में सशक्तीकरण वह है जब आप उस व्यक्ति का हाथ थामते (मदद कर उसे समर्थ बनाते) हैं, ताकि वह खुद सशक्त हो जाए। इससे खुशी मिलती है, संतुष्टि मिलती है, आपको आंतरिक शक्ति मिलती है और आपको अपने परिवारों पर गर्व भी होता है। धनखड़ ने कहा कि पूर्वोत्तर देश का 'गहना है। उन्होंने कहा कि 1990 के दशक में केंद्र सरकार ने लुक ईस्ट नीति शुरू की थी। एक आधिकारिक बयान में उनके हवाले से कहा गया है।''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस नीति को एक अतिरिक्त आयाम दिया है-लुक ईस्ट से एक्ट ईस्ट और इसे बहुत प्रभावी ढंग से अमल किया गया है।

तमिलनाडु के पोल्लाची यौन उत्पीड़न केस में फैसला : 9 दोषियों को आजीवन कारावास

कोयंबटूर तमिलनाडु के पोल्लाची यौन उत्पीड़न मामले में कोयंबटूर महिला अदालत ने मंगलवार को 9 लोगों को मौत तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने आज सुबह ही सभी को दोषी ठहराया था। जज आर नंदिनी देवी ने इन्हें गैंगरेप और बार-बार रेप का दोषी पाया। कोर्ट ने पीड़ित महिलाओं को कुल 85 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया है। 9 दोषियों ने 2016 से 2018 के दौरान कई महिलाओं का यौन शोषण किया था। पीड़ितों में कॉलेज की छात्राएं और शादीशुदा महिलाएं थीं। दोषियों ने यौन शोषण के वीडियो बनाए थे। उसके जरिए ब्लैकमेल करके महिलाओं के साथ कई बार रेप किया और पैसे भी मांगे। आरोपियों पर 50 से ज्यादा महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने का शक था, लेकिन उनमें से केवल 8 ने ही उनके खिलाफ गवाही दी थी। दोषियों में सबरीराजन उर्फ रिशवंत (32 साल), थिरुनावुकारसु (34 साल), टी वसंत कुमार (30 साल), एम सतीश (33 साल, आर मणि उर्फ मणिवन्नन, पी बाबू (33 साल), हारोन पॉल (32 साल), अरुलानंथम (39 साल) और अरुण कुमार (33 साल) हैं। मामला 24 फरवरी, 2019 को पहली बार तब सामने आया जब 19 साल की एक छात्रा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उसने आरोप लगाया कि 12 फरवरी को पोल्लाची के पास चलती कार में चार लोगों ने उसका रेप किया। उन्होंने इसका वीडियो बनाया, उसकी सोने की चेन लूट ली और उसे सुनसान जगह पर छोड़ दिया। लड़की ने अपने परिवार को तब बताया जब आरोपियों ने वीडियो लीक करने की धमकी देकर उससे यौन संबंध बनाने की मांग की। छात्रा दोषियों के खिलाफ बोलने वाली पहली पीड़ित थी। छात्रा की शिकायत के बाद 2019 में सभी युवकों को गिरफ्तार किया गया था। तब से सभी सलेम सेंट्रल जेल में बंद है। युवकों के खिलाफ आपराधिक साजिश, यौन उत्पीड़न, रेप, गैंगरेप और जबरन वसूली का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल फोन और लैपटॉप की जांच की थी। इनमें पीड़ितों के कई वीडियो क्लिप मिले थे, जिनका युवकों ने अलग-अलग जगहों पर यौन उत्पीड़न किया था। इनमें से ज्यादातर घटनाएं पोल्लाची के पास चिन्नाप्पलायम में एक दोषी थिरुनावुक्कारारू के फार्महाउस पर हुए थे। शुरू में स्थानीय पुलिस ने मामले की जांच की थी। बाद में इसे क्राइम ब्रांच-सीआईडी को सौंप दिया गया। हालांकि, घटना को लेकर राज्यभर में आक्रोश के बीच तत्कालीन एआईएडीएमके सरकार ने मामले को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को ट्रांसफर कर दिया। एजेंसी ने 25 अप्रैल, 2019 से मामले की जांच शुरू की थी।

संक्षिप्त खबरें

श्री राघव परोपकार मिशन ट्रस्ट द्वारा जरूरतमंद लोगों को वस्त्र के साथ मिष्ठान का किया वितरण

अयोध्या। श्री राघव परोपकार मिशन द्वारा राम नगरी अयोध्या मे रत्न सिहासन मंदिर के प्रांगण में सहायता शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में करीब तीन सौ लोगों में उपहार स्वरूप कपड़ों का और मिष्ठान के साथ दक्षिणा का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रत्न सिहासन मंदिर के महंत स्वामी अरुण दास जी महराज द्वारा किया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए श्री राघव परोपकार मिशन ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य राजीव गुप्ता ने बताया कि ट्रस्ट का संबध गीता कुटीर हरिद्वार से जुड़ा हुआ है। उन्होंने ये भी बताया कि ट्रस्ट द्वारा जल्द ही अयोध्या धाम में एक अपना स्थान अलग बनाया जाएगा और जो भी कार्यक्रम होंगे उनके अपने निजी स्थान पर ही किया जाएगा। बता दें कि इस कार्यक्रम में महिलाओ को साड़ियां तो पुरुषो को धोती कुर्ता के कपड़े वितरित किये गए। ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य राजीव गुप्ता ने ये भी बताया कि उनके ट्रस्ट द्वारा हर छ माह पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा और गरीब तबके के लोगों की सहायता इसी तरह के शिविर के माध्यम से किया जाएगा। इस मौके पर मुख्य रूप से ममता गुप्ता, सुभाष यादव, बब्लू यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

ज्येष्ठ माह के प्रथम बड़े मंगल पे आयोजित भंडारों मे पहुंचकर अरविंद सिंह गोप ने प्रसाद वितरित किया

ब्यूरो चीफ फहीम सिद्दीकी

बाराबंकी। बाराबंकी के अन्तर्गत ज्येष्ठ माह के प्रथम बड़े मंगल के शुभ अवसर पर विभिन्न भंडारों में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद कुमार सिंह गोप ने उपस्थित होकर बजरंगबली के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। और लोगों को प्रसाद वितरण करते हुए स्वयं भी प्रसाद ग्रहण किया। शहर के देवा रोड स्थित भाजपा नेता समाजसेवी पंकज गुप्ता पाकी के यहां पहुंच कर भंडारे में प्रसाद वितरण किया। सफदरगंज स्थित रॉयल आर्किड मोटल लॉन पर सुरेश सिंह चौहान के यहां पहुंचकर भंडारे में सम्मिलित हुए और प्रसाद वितरण करते हुए स्वयं प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर मौजूद लोगों में पूर्व विधायक राम गोपाल रावत,अजय वर्मा बबलू,चेयरमैन प्रतिनिधि सुरेन्द्र सिंह वर्मा,नसीम कीर्ति,बार अध्यक्ष नरेंद्र सिंह वर्मा,हशमत अली गुड्डू,आदि तमाम लोग उपस्थित रहे।

ज्येष्ठ मंगल पर भक्ति और सेवा का अद्भुत संगम, कंचन गुप्ता के नेतृत्व में हुआ सुंदरकांड पाठ एवं शरबत वितरण

ब्यूरो प्रमुख असद हुसैन

अमेठी ज्येष्ठ माह के मंगल पर्व के पावन अवसर पर आज नगर में भक्ति और सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिला भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष कंचन गुप्ता के नेतृत्व में भव्य सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसके उपरांत श्रद्धालुओं के बीच शरबत वितरण कर उन्हें गर्मी से राहत प्रदान की गई कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि श्मसालाश एवं अमेठी के उपजिलाधिकारी आशीष सिंह की धर्मपत्नी ऋचा सिंह के कर–कमलों द्वारा विधिवत रूप से किया गया। इस अवसर पर भक्ति भाव से ओतप्रोत वातावरण में सुंदरकांड का सस्वर पाठ किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे इस धार्मिक–सामाजिक आयोजन में समस्त महिला पदाधिकारीगण की सक्रिय उपस्थिति और सहभागिता ने कार्यक्रम को और भी गरिमामय बना दिया। आयोजन के अंत में आम जनमानस को शरबत वितरित कर उन्हें गर्मी से राहत प्रदान की गई और सेवा भाव का संदेश दिया गया कार्यक्रम की सफलता के लिए आयोजक मंडल एवं सभी कार्यकर्ताओं ने भरपूर सहयोग दिया। स्थानीय जनमानस ने भी इस आयोजन की सराहना की और इसे सामाजिक सद्भाव का प्रतीक बताया इस मौके पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं भक्त आदि लोग उपस्थित रहे।

श्री बालकेश्वर हनुमान मंदिर प्रांगण में ज्येष्ठ माह के प्रथम बड़े मंगल में भव्य भंडारा हुआ

ज्येष्ठ माह के प्रथम बड़े मंगल के अवसर पर श्री बालकेश्वर हनुमान मंदिर प्रांगण में महेश चंद्र गुप्ता (रमेश प्रोविजन स्टोर) के द्वारा भव्य भंडारे का आयोजन किया गया जिसमे भक्तों ने छोले चावल हलुवा एवं मट्ठा का प्रसाद ग्रहण किया।।

सी.बी.एस.ई.परीक्षा परिणामों में फिर एक बार पब्लिक स्कूल के बच्चों ने लहराया परचम तैय्यबा कय्यूम ने 97.00 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में किया टॉप विद्यालय एवं अपने परिवार का नाम रोशन किया

उमानाथ यादव
रोहित मिश्रा

रायबरेली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद बोर्ड द्वारा घोषित बारहवीं एवं दसवीं कक्षा के परीक्षा परिणामों में न्यू स्टैण्डर्ड पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेण्डरी स्कूल त्रिपुला के विद्यार्थियों ने अपनी कड़ी मेहनत और प्रबंधतंत्र एवं शिक्षकों के कुशल नेतृत्व में एक बार पुनः अपना परचम लहराया। एनएसजीआई संस्थापक–प्रबंधक डॉ0 शशिकांत शर्मा व सह–प्रबंधिका डॉ रश्मि शर्मा ने एनएसपीएस त्रिपुला में विद्यालय का परीक्षा परिणाम घोषित किया और मेधावियों का मुंह मीठा कराया,इसके साथ ही उन्होंने सफल अभ्यर्थियों एवं अभिभावकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। घोषित परिणामों में 12वीं कक्षा (विज्ञान वर्ग) की छात्रा तैय्यबा कय्यूम ने 97.00 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में एक बार फिर स्कूल और अपने परिवार का नाम रोशन किया है। विद्यालय की वरीयता सूची में द्वितीय स्थान पर 96.60 प्रतिशत अंकों के साथ अब्दुल अजीज, तृतीय स्थान पर ऋषभ तिवारी 96 प्रतिशत, चतुर्थ स्थान पर संयुक्त रूप से अब्दुल रमीज और दिव्यांशी वर्मा ने 93.40 प्रतिशत , पांचवें स्थान पर नित्या 93.00 प्रतिशत, छंठवें स्थान पर विवेक सिंह 92.40 प्रतिशत, सातवें स्थान पर सूर्य प्रताप यादव 92.20 प्रतिशत, आठवें स्थान पर रिद्धिमा अग्रहरि 92 प्रतिशत, नौवें स्थान पर प्रिया यादव 90.80 प्रतिशत एवं दसवें स्थान पर अर्पिता यादव ने 90.60 प्रतिशत अंक अर्जित किये। इसी क्रम में दसवीं के छात्र रिशांक पाल ने 97.00 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय की वरीयता सूची में प्रथम, अभिनव वर्मा और अलीशा बानो ने 96.60 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय, तृतीय भूपेंद्र यादव 96.20 प्रतिशत, चतुर्थ स्थान पर अवंतिका और स्नेहा साही ने 96.00 प्रतिशत, पांचवें स्थान पर आस्था पटेल, अर्चिता और आयुष यादव ने 95.40 प्रतिशत, छठवें स्थान पर अनन्या सिंह और आदित्य ने 95.00 प्रतिशत, सातवें स्थान पर मो. आजम और मो. इस्माइल ने 94.80 प्रतिशत, आठवें स्थान पर श्वेता मिश्रा और तरु श्रीवास्तव ने 94.60 प्रतिशत, नौवें स्थान पर आर्या गुप्ता, अनुष्का मिश्रा और अक्षत सिंह ने 94.40 प्रतिशत एवं दसवें स्थान पर श्रेयश कौशल, आराध्या अवस्थी और नित्या बाजपेई ने 93.80 प्रतिशत अंक अर्जित किये। विद्यालय का परीक्षा परिणाम अपनी परंपरा के अनुसार सर्वोत्कृष्ट एवं शत–प्रतिशत रहा। इस अवसर पर विभिन्न शाखाओं के प्रधानाचार्यों में शिव लखन प्रजापति (प्रधानाचार्य त्रिपुला), राजीव सिंह (प्रधानाचार्य एनएसपीएस सलेथू), तारकेश्वर सिंह (प्रधानाचार्य बालिका विद्या मंदिर), उप–प्रधानाचार्य मो. फैजान खान, संयोजिका संचिता त्रिवेदी, शिवकरन पाल, नितिन सिंह, अंजू त्रिपाठी, रामदेव, पिंकी जायसवाल, एवं गिरीश श्रीवास्तव सहित सभी शिक्षकध शिक्षिकाएं , विद्यार्थी, अभिभावकगण एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा के परिणाम में अयोध्या एकेडमी के मेधावियों ने लहराया परचम

आजम खान

सीबीएसई बोर्ड सत्र 2024–2025 का हाईस्कूल एवं इण्टरमीडियट का परिणाम जारी हुआ। अयोध्या एकेडमी स्कूल का परीक्षा परिणाम शत–प्रतिशत रहा। इण्टरमीडियट में कला वर्ग में 95: प्राप्तांक प्राप्त कर अंश कुमार वर्मा, विद्यालय में प्रथम स्थान पर रहे, रूचि वर्मा 92:, तृप्ती जायसवाल 91:, श्रेया आचार्या 89:, भूमिका गुप्ता 89: विज्ञान वर्ग में, उदय प्रताप सिंह 87.6 सुमित तिवारी 86.8:, आयुष कौशल, ओम मनि त्रिपाठी 86:, हर्ष गुप्ता 85:, अनुराग यादव 84:, वाणिज्य वर्ग में आरोही सिंह 92: अंनन्या वर्मा, प्रगति अग्रवाल, संध्या तिवारी, अंशिका यादव, अर्चना यादव, अवधेश भट्ट, हिमांशी पाठक, स्मृति राय, कौशिक तिवारी, नंदिनी वर्मा, प्रज्ञा पटेल, रितिका मिश्रा, श्रेया आचार्या, सूर्यांश प्रताप सिंह, 87: प्राप्त किए साथ ही साथ हाईस्कूल की परीक्षा में निकिता शर्मा 93.4: परी सोनी 90.4: अतुल पाण्डेय 90:, श्री मिश्रा, प्राची तिवारी, इच्छा पाण्डेय, आयुष मौर्य, अंशिका चौधरी,, दीपांशी वर्मा, सौरभ गुप्ता, अंशिका गुप्ता, कर्तव्य श्रीवास्तव आदि ने अच्छे अंक प्राप्त कर विद्यालय का जिले में मान सम्मान बढ़ाया। इण्टरमीडियट एवं हाईस्कूल में, आदि छात्र–छात्राओं का परिणाम बहुत अच्छा रहा। विद्यालय के प्रबन्धक प्रदीप तिवारी ने सभी सफल छात्र–छात्राओं को मिष्ठान खिलाकर उनका उत्साहवर्द्धन किया एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सौम्या अचारी, उप प्रधानाचार्य जितेन्द्र कुमार, गौरी द्विवेदी, जी०डी तिवारी एवं वरि० अध्यापक शिशिर मिश्र, मृत्युन्जय मिश्र, आलोक कुमार दूबे, भूपेन्द्र सिंह, यश वर्मा, संजय कुमार तिवारी, राधवेन्द्र प्रताप सिंह, शालिंदी सिंह, रेणुका चतुर्वेदी, खुशबू पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

युवक के आत्महत्या किए जाने के मामले में पुलिस ने उसकी पत्नी को गिरफ्तार करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया

उमानाथ यादव

रायबरेली। शहर कोतवाली क्षेत्र के तिलिया कोट मोहल्ले में एक युवक के द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामले में पुलिस ने उसकी पत्नी को गिरफ्तार करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।शहर कोतवाली नगर क्षेत्र के अंतर्गत तिलिया कोर्ट निवासी आशीष सोनी पुत्र केशव सोनी की कैपरगंज में निहारिका ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। आशीष की पत्नी अंशिका सोनी के बीच आए दिन वाद विवाद बना रहता था । 8 मई को अंशिका ने आशीष से नया मोबाइल मंगाया था। वह मोबाइल लेकर आया जो कि कम कीमत का था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा हुआ। जिसके बाद आक्रोश में आकर आशीष ने उसी रात को जहरीला पदार्थ खा लिया। इसकी सूचना जब घर वालों को चली तो आशीष को लेकर इलाज के लिए अस्पताल की तरफ दौड़े। लेकिन अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया तो मृतक की डायरी में सुसाइड नोट बरामद हुआ और मृतक की मां के प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना कोतवाली नगर क्षेत्र में मामला दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस ने मृतक की पत्नी अंशिका उर्फ प्रीति सोनी निवासी तिलिया कोट थाना कोतवाली नगर क्षेत्र को गिरफ्तार करते हुए विधिक कार्रवाई की और आज न्यायिक अभिक्षा में भेज दिया गया है।आपको बता दें कि मृतक आशीष सोनी कि इससे पहले साल 2012 में महाराजगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मऊ निवासी निधि के साथ पहला विवाह हुआ था। जिसकी मृत्यु के बाद साल 2014 में उसकी दूसरी शादी नेहा से हुई। जिससे उसका तलाक हो गया था। उसके बाद साल 2017 में अमिलिहा पार्क थाना हुसैनगंज जनपद फतेहपुर निवासिनी अंशिका सोनी से आशीष सोनी ने साल 2017 में शादी की थी।

बैग हरो हनुमान महाप्रभु जो सुख कुछ संकट हुए हमारो भक्तिगीतों के साथ

ज्येष्ठ माह के प्रथम मंगलवार पर भक्तों ने हनुमान मंदिरों में किया दर्शन एवं जगह–जगह आयोजित हुए भंडारे

उमानाथ यादव

रायबरेली = जेष्ठ महीने के प्रथम मंगलवार को जनपद के विभिन्न हनुमान मंदिरों में भोर सुबह से लेकर देर शाम तक प्रभु हनुमान जी की आराधना भक्ति में लीन भक्तों द्वारा जगह–जगह पर हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित करके पूजन अर्चन किया एवं मंदिरों में सुंदरकांड पाठ का आयोजन भी किया गया और कई स्थानों पर बड़े–बड़े भव्य पंडाल लगाकर प्रभु हनुमान जी का प्रसाद पूडी सब्जी हलाव बूंदी तो कहीं पर चावल छोले सहित कई व्यंजनों का प्रसाद का वितरण किया गया और भक्तों द्वारा भोर सुबह से ही प्रभु हनुमान जी के भक्तों के गीतों की धुन सुबह से ही गूंजने लगी है जनपद के शहर के अलावा डलमऊ लालगंज बछरावां महाराजगंज सरेनी गुरबक्श गंज ऊंचाहार जगतपुर गदागंज सहित विभिन्न स्थानों पर प्रभु हनुमान जी की आराधना कर पूजन अर्चन किया गया और अपने क्षेत्र के साथ–साथ परिवार की सुख समृद्धि की प्रभु हनुमान जी से कामना किया जनपद के अभय दाता मंदिर दूरभाष नगर आईटीआई कैनाल रोड स्थित हनुमान मंदिर संकट मोचन मंदिर डलमऊ पंचमुखी हनुमान मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में भक्तों का दर्शन के लिए ताता लग रहा और जेष्ठ माह के प्रथम मंगलवार होने के शुभ अवसर पर जनपद के विभिन्न गंगा तत्वों पर श्रद्धालुओं ने पहुंचकर मां पतित पावनी भागीरथी के निर्मल जल में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ स्नान किया और अपने परिवार के सुख समृद्धि की कामना किया उधर महाराजगंज विकासखंड

क्षेत्र के जमुरावा हनुमान मंदिर परिसर में प्रथम मंगलवार के अवसर पर सुंदरकांड पाठ व हवन पूजन किया गया उसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया जिसमें हजारों की संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया बताते चले की ग्राम पंचायत जमुरावा हनुमान मंदिर परिसर पर मिश्रा फाउंडेशन के आयोजन में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें विधि विधान के साथ हवन पूजन किया गया तथा विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया इस मौके पर लक्ष्मी शंकर मिश्रा ग्राम प्रधान अनुराग चौधरी पवन कुमार मिश्रा ब्रह्म दत्त त्रिपाठी जग दत्त त्रिपाठी कृष्ण सिंह आशीष मौर्य शिव शंकर सिंह राम बहादुर काशी प्रसाद आशीष मिश्रा मनीष त्रिपाठी गिरीश त्रिपाठी राजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी सहित अनेक लोग मौजूद रहे

महिला का मानसिक संतुलन ठीक ना होने के कारण महिला गिरी कुएं में गंभीर रूप से घायल

उमानाथ यादव

रायबरेली =डीह थाना क्षेत्र केपूरे नया पुरवा मजरे कस्बा डीह की राजपती पत्नी रामकुमार उम्र तकरीबन 60 वर्तमान मानसीक संतुलन ठीक न होने के कारण आम की बाग के पास बैठी थी। बगल मे एक मुडुई कुएं में अचानक गिर गई। कुएं में गिरते ही जानवर चरा रहे ग्रामीणों ने देखा ।और जोर जोर चिल्लाने लगे।तभी आस पास के ग्रामीणों ने इकट्ठा हो गये। और आनन फागन चारपाई व रस्सी कुएं मे गिराई और उसी के सहारे कुएं मे कुद फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने राजपती को बाहर निकाला और जान बचायी। परिवार जन मां जिन्दा देख कर खुश हुये बडे बेटे अरविंद कुमार ने मोजूद ग्रामीणों व फायर ब्रिगेड को धन्यवाद दिया। अखिर मा की जान बच गई।108 ऐम्बूलेश ने राजपति को डीह सीएचसी ले गये।जहा पर प्रभारी चिकित्साधिकारी डा सत्यपाल ने इलाज कर खतरे बाहर बताया परन्तु जिला अस्पताल के लिए रिफर कर दिया।

राणा बेनी हनुमान जी की मंदिर पर विशाल भंडारा का आयोजन किया जेष्ठ के प्रथम मंगलवार को हनुमान जी की मंदिर पर भक्तों की कतार

रोहित मिश्रा
उमानाथ यादव

महराजगंज रायबरेली =तहसील क्षेत्र स्थित राणा बेनी हनुमान जी की मंदिर पर विशाल भंडारा का आयोजन किया गया जेष्ठ के प्रथम मंगलवार को हनुमान जी की मंदिर पर भक्तों की कतार लगी रही भक्त हनुमान जी के दर्शन कर अपनी मनोकामनाओं को मांग रहे थे राणा बेनी हनुमान जी मंदिर कई वर्षों साल पुराना यह मंदिर है यहां पर भक्तों का जेष्ठ के प्रथम मंगलवार को भीड़ देखने को मिली है मंगलवार को और अधिक भीड़ बढ़ गई लोग मंदिर पर पहुंचकर प्रसाद चढ़ाकर अपनी मनोकामनाओं को मांग रहे हैं और उसके तत्पश्चात भंडारे का आयोजन किया गया भंडारे का आयोजन ग्राम सभा वाशियों के सहयोग से दोपहर बाद से शाम तक चलता रहा।

भंडारे में पूरी सब्जी का आयोजन किया गया जिसमें अपर संख्या में भक्ति पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया भक्तों का कहना है कि हनुमान जी की मंदिर पर श्रद्धापूर्वक जो भी भक्त पहुंचकर अपनी मनोकामना को मांगते हैं हनुमान जी उसकी मनोकामना को जरूर से जरूर पूर्ण करते हैं यह मंदिर क्षेत्र का एक प्रसिद्ध मंदिर है हनुमान जी के नाम से यह मंदिर काफी दूर तक विख्यात है यहां पर काफी दूर दराज से लोग आकर दुकान लगाकर शोभा को बढ़ाते हैं ग्राम वासियों के सहयोग से प्रथम मंगलवार को भंडारे का आयोजन किया गया दुरदराज से आए भक्तगण प्रसाद ग्रहण किया यह राणा बेनी हनुमान जी मंदिर बावन बुजुर्ग बल्ला ग्राम सभा में स्थित है।राणा बेनी माधव हनुमान मंदिर के नाम से प्रसिद्ध आज प्रथम मंगलवार को हनुमान मंदिर पर सुंदरकांड का पाठ हुआ हवन पूजन के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया ।मेला कमेटी के सदस्य नवनीत मौर्य, विनीत मिश्रा, बंसीलाल मौर्य, हरीश मिश्रा उर्फ टंटू, रामकिशोर गुप्ता, वर्तमान प्रधान राम लखन, विवेक कुमार श्रीवास्तव, सुखराम मौर्य, अंजनी मौर्य, एवं समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे

मिला सम्मान तो खिले यूपी बोर्ड जिला टॉपर्स के चेहरे, टीचर्स व अभिभावक भी सम्मानित

मोहम्मद फहीम संवाददाता

सोहावल अयोध्या। बीते माह घोषित हुए यूपी बोर्ड के परीक्षा परिणामों में माधव सर्वोदय इंटर कॉलेज के मेधावियों ने विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी दबदबा कायम रखा। हाईस्कूल में 5 इंटरमीडिएट में 2 मेधावियों ने जनपद स्तरीय मेरिट में स्थान हासिल कर सफलता का परचम लहराया। मंगलवार को माधव सर्वोदय इंटर कॉलेज में आयोजित मेधावी सम्मान समारोह में सभी मेधावियों के साथ ही अभिभावकों और टीचर्स को भी सम्मानित किया गया।बतौर मुख्य अतिथि मौजूद पूर्व महानगर अध्यक्ष श्री अभिषेक मिश्रा ने प्रदेश मेधावी को स्कूटी पुरस्कार व

प्रशस्ति पत्र एवं 4 बच्चों को साइकिल देकर सम्मानित किया। बच्चों की सफलता में माता पिता और टीचर्स का भी अहम योगदान होता है। ऐसे में अभिभावकों को भी अंगवस्त्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।मुख्य अतिथि महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा जी कहा कहाकि कक्षा में पढ़ते समय बच्चों को कंसेंट्रेट होकर पढ़ना चाहिए। पूरा ध्यान लगाकर पढ़ने से सारी चीजें अच्छी तरह से स्मरण में बनी रहती हैं। लेखन कला विद्यार्थी की प्रथम सर्वोत्तम पहचान है। इसकी सारी कमियों को दूर कर लें। आप टीचर से भी अच्छा लिखने का प्रयास करें। जो बच्चा टीचर की रिस्पेक्ट करता है उसे ऊंचाइयों पर जाने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि रिजल्ट स्टूडेंट का नहीं बल्कि शिक्षक का होता है, बच्चा तो अबोध होता है केवल कर्म करता है सुपर बनने का मार्गदर्शन तो शिक्षक ही देता है। पेरेंट्स को भी समय–समय पर बच्चों पर ध्यान देना चाहिए।

प्रबंधक माधव प्रसाद पाठक ने कहा

मेधावियों को बधाई देते हुए कहा कि अपना लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़े, सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने घोषणा की कि अगले वर्ष बोर्ड परीक्षा की प्रदेश और जनपद स्तरीय मेरिट सूची में स्थान हासिल करने वाले मेधावियों को बैंक की ओर से भी सम्मानित किया जाएगा।

अध्यक्ष सत्यदेव पांडेय ने कहा कि मेहनत के साथ पढ़ाई करें ताकि अपने मुकाम तक पहुंच जाए। कहाकि अखबार व किताबों में प्रमाणिकता के आधार पर बातें लिखी रहती है इनको जरूर पढेंं। प्रधानाचार्य धर्मेन्द्र कुमार पाठक ने कहा कि मेधावी छात्र लक्ष्य बनाकर कार्य करें। माता–पिता के सपनों को साकार करें। संचालन अभिनंदन शुक्ला ने किया।इस अवसर पर व्यवस्थापन ज्ञानेंद्र कुमार पाठक अरविंद पाठक (राजू), उपेंद्र पाठक उज्जवल पाठक अमित पांडे,संतोष मौर्य,संतोष मिश्रा ,शिशिर मिश्रा, डॉक्टर उपेंद्र त्रिपाठी लोकेश त्रिवेदी,शिवगेश चौधरी, राहुल पाठक, प्रेम प्रकाश पांडे, सुरेंद्र पांडे ,महेश पांडे ,केशव रामपाल, करुणा शंकर त्रिपाठी, प्रवेश यादव, अखिलेश मिश्रा (मुंशी),पिंकी, माया वर्मा,पप्पी शुक्ला,सपना,कोमल, अंकिता,रंजना विश्वकर्मा,आदि शिक्षक शिक्षिकाएं आदि लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

डॉ. पुष्पेंद्र कुमार बने रायबरेली जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक बने

उमानाथ यादव

रायबरेली = जनपद के राणा बेनी माधव सिंह स्मारक जिला अस्पताल का मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (ब्डै) नियुक्त किया गया है। आज उन्होंने जिला अस्पताल पहुंचकर अपना कार्यभार ग्रहण किया। अस्पताल के एक बाबू ने उन्हें कार्यभार सौंपा। इस अवसर पर अस्पताल के अन्य कर्मचारियों और अधिकारियों ने डॉ. कुमार का स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं। डॉ. पुष्पेंद्र कुमार ने अपनी नई जिम्मेदारी को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि वह अस्पताल में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने अस्पताल के सभी कर्मचारियों से सहयोग की अपेक्षा की ताकि अस्पताल विकास के पथ पर अग्रसर रहे। उनकी नियुक्ति से जिला अस्पताल में प्रशासनिक कार्यों को और गति मिलने की उम्मीद है।

डंपर का टायर फटने से पीआरडी जवान घायल

उमानाथ यादव

रायबरेली =जिले के डलमऊ थाना क्षेत्र के अंतर्गत कस्बा मुराई बाग चौराहे पर ड्यूटी पर तैनात एक पीआरडी जवान ट्रक का टायर फटने से गंभीर रूप से घायल हो गया घायल जवान को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डलमऊ भेजा गया जहां पर उसका प्राथमिक उपचार किया गया। मुराई बाग चौराहे से गुजर रहे एक ओवरलोड डंपर का टायर अचानक तेज धमाके के साथ फट गया धमाका इतना तेज था कि धूल का गुबार उड़ने लगा और वहां पर पड़ी गिट्टियां उछल कर ड्यूटी पर तैनात पीआरडी जवान कमलेश कुमार को जा लगी जिससे उसका हाथ गंभीर रूप से घायल हो गया आसपास मौजूद लोगों ने घायल पीआरडी जवान को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डलमऊ पहुंचाया जहां पर उसका मरहम पट्टी कर इलाज किया गया मुराई बाग कस्बे में अक्सर ओवरलोड ट्रक के टायर फटने की घटना देखने को मिलती है जिससे राहगीर एवं दुकानदार दुर्घटना का शिकार होते रहते हैं कस्बे वासियों ने ओवरलोड ट्रक पर अंकुश लगाने की मांग की है।

एबीएस इंटरनेशनल स्कूल ने हर वर्ष की भांति इस बार भी लहराया परचम

महराजगंज जौनपुर। सीबीएसई बोर्ड के कक्षा 12 और 10 के परिणाम घोषित हुए, एबीएस इंटरनेशनल स्कूल ने सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए,हर वर्ष की तरह इस बार भी एबीएस इंटरनेशनल स्कूल ने सौ प्रतिशत परिणाम दिया,एबीएस स्कूल का मतलब ही सफलता की गारंटी हो चुकी है,लगातार कई वर्षों से सफलता के शिखर पर पहुंचता जा रहा है,जिस उम्मीद के साथ अभिभावक अपने बच्चों की एबीएस स्कूल में भेजते है उससे भी बढ़कर उन्हें बेहतर परिणाम देता है,12 कक्षा के शिवम् यादव,पलक सिंह,प्रसंग अग्रहरि,रिया सिंह,अभिषेक गुप्ता ने 90 : से भी अधिक अंकों से सफलता अर्जित कर अपने परिवार,स्कूल और समाज का गौरव बढ़ाया है,10 कक्षा के कृतार्थ मिश्रा,कृष्ण मिश्रा, अनन्या गुप्ता,आयुषी मिश्रा,आर्यन यादव ने भी 90: से अधिक अंकों से सफलता अर्जित कर परिवार, स्कूल और समाज का गौरव बढ़ाया है,एबीएस इंटरनेशनल के चेयरमैन संजय सिंह ने जिस सपने को देख था अब वो साकार होता दिख रहा है,ये उनकी दूरदर्शिता ही थी कि एक ऐसे विद्यालय का निर्माण क्षेत्र में किया जाए जिससे इस क्षेत्र के बच्चों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिले और अपने क्षेत्र के बच्चों को बड़े मुकाम हासिल हो जिससे क्षेत्र का प्रतिनिधित्व देश विदेश के कोने कोने में हो, चेयरमैन संजय सिंह की दूरदर्शिता और उनके अथक प्रयासों का ही परिणाम है कि क्षेत्र के बच्चे देश प्रदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में अपनी शिक्षा ग्रहण कर रहे है और देश और समाज का गौरव बढ़ा रहे है,संजय सिंह ने बच्चों को वो सभी सुविधाएं मुहैया कराई जिससे उन्हें अपनी काबिलियत दिखाने के सभी अवसर प्राप्त हो सके,सफल हुए सभी बच्चों ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता पिता,स्कूल के चेयरमैन,डायरेक्टर और सभी अभिभावकों को दिया।

चित्रकूट धाम के लिए ऊंचाहार विधायक द्वारा निशुल्क यात्रा डलमऊ से प्रारंभ किया

उमानाथ यादव

रायबरेली = जनपद के ऊंचाहार विधानसभा क्षेत्र से क्षेत्रीय विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉ मनोज पांडे की सौजन्य से विधानसभा क्षेत्र के निवासियों को निशुल्क चित्रकूट धाम की यात्रा का संकल्प लेते हुए सोमवार मंगलवार एवं बुधवार को विधानसभा क्षेत्र के बरारा बुजुर्ग बंसी परान रामपुर बरारा खोदयापुर सहित कई ग्राम सभा के नागरिकों को निशुल्क रूप से चित्रकूट धाम की यात्रा कराया जा रहा है इस संबंध में सेक्टर प्रभारी पुतानी महाराज ने बताया कि ऊंचाहार विधानसभा क्षेत्र के निवासियों के लिए सदैव रात दिन खड़े रहने वाले क्षेत्रीय विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉ मनोज कुमार पांडे के अथक प्रयास से एक बस सेवा बरारा बुजुर्ग से लेकर चित्रकूट धाम के लिए विगत दिनों शुरू कराई गई थी इसके उपलक्ष्य में क्षेत्रीय विधायक ने संकल्प लिया कि क्षेत्रवासियों को चित्रकूट धाम की निशुल्क यात्रा कराई जाए जिसमें यात्रियों को खाना पानी सहित अन्य व्यवस्थाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं जिसमें आज मंगलवार को सुबह 8रू00 बजे नगर पंचायत अध्यक्ष पंडित बृजेश दत्त गौड़ एवं ब्लाक प्रमुख शिवराम रावत ने हरी झंडी दिखाकर रोडवेज की बस को चित्रकूट धाम के लिए रवाना किया जिसमें लगभग 60 यात्री बस में सवार थे सभी यात्रियों को ब्लॉक प्रमुख शिवराम रावत ने तिलक लगाकर एवं पुष्प वर्षा करके एवं प्रभु हनुमान जी एवं भगवानराम की जय कारों के साथ रवाना किया। इस अवसर पर मौके पर उपस्थित होने वालों में सेक्टर प्रभारी पुतानी महाराज सेक्टर मीडिया प्रभारी मोनू बाजपेई संतोष त्रिवेदी परमेश्वर यादव आशीष श्रीवास्तव किसान मोर्चा के अध्यक्ष शैलेंद्र चौधरी ज्ञान सिंह पुत्तन जायसवाल पीयूष शर्मा सहित कई अन्य लोग मौके पर उपस्थित थे

ग्राम प्रधान ने कायाकल्प योजना से बदल दी विद्यालय की तस्वीर

उमानाथ यादव
रोहित मिश्रा

रायबरेली। जिले के महाराजगंज विकासखंड क्षेत्र के मुरैनी ग्राम प्रधान दीपू और उनके प्रतिनिधि रणविजय सिंह एडवोकेट द्वारा अपनी ग्राम पंचायत को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। प्रधान प्रतिनिधि रणविजय सिंह एडवोकेट ने ग्राम पंचायत मुरैनी के विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए लोगों को सरकार की विभिन्न योजनाओं का पूरी ईमानदारी से सत् प्रतिसत लाभ देते हुए धरातल पर उतारा है। जिसकी बदौलत मुरैनी ग्राम पंचायत में विकास की अविरल धारा बह रही है। आपको बता दें कि, सरकार ने परिषदीय विद्यालयों की सूरत बदलने के लिए कायाकल्प योजना को शुरू किया है। इसके तहत प्रधान प्रतिनिधि रणविजय सिंह एडवोकेट अपनी ग्राम पंचायत के तीन सरकारी विद्यालयों प्राथमिक विद्यालय मुरैनी, प्राथमिक विद्यालय डेपार मऊ और प्राथमिक विद्यालय खेरवा में छत की मरम्मत, फर्श पर टाइल्स, चहारदीवारी, गेट और इंटरलॉकिंग, टाइल्स, वॉल पेंटिंग समेत तमाम काम कराए हैं। प्रधान प्रतिनिधि ने ग्राम पंचायत के इन विद्यालयों में ऑपरेशन कायाकल्प के तहत काम करवाकर सूरत बदल दी है, जिसकी बदौलत ग्राम प्रधान और अनके प्रतिनिधि की लोग सराहना कर रहे हैं महराजगंज विकास खंड में अगर देखा जाए तो अभी भी तमाम ऐसे विद्यालय हैं, जहां बुनियादी सुविधाएं तक नहीं हैं। हालात यह हैं कि, इन विद्यालयों में चहारदीवारी तक नहीं हो सकी है, जो बच्चों के लिए खतरा बने हुए हैं। जिम्मेदार अधिकारी बजट मिलने पर विद्यालयों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की बात कह रहे हैं। लेकिन मुरैनी ग्राम पंचायत के ये तीन परिषदीय विद्यालय ऐसे है जिसको देखकर आपकी सोच बदल जाएगी और आप आकर्षित हुए बिना नहीं रह सकेंगे। यह तीनों सरकारी विद्यालय कान्ध्वेंट स्ध्कूलों को भी मात दे रहा है। सरकार की योजना आपरेशन कायाकल्प ने इस विद्यालय की तस्वीर बदल दी है।पीएम मोदी के सपनों को पंख लगा रहे मुरैनी ग्राम पंचायत के यह तीनों सरकारी विद्यालय स्वच्ध्छ भारत, स्वस्थ भारत तथा बेटी पढ़ाओ, बेटी बढ़ाओ के मिशन को साकार कर रहे है। इस तीनों स्कूलों में कुल लगभग 600 बच्ध्चे पढ़ते हैं, जिसमें 65 प्रतिशत (आधी आबादी) लड़कियां हैं, जबकि लड़कों की संख्या 45 प्रतिशत है। इन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए प्रधानाध्यापकों सहित शिक्षकों की तैनाती है। यहां के बच्ध्चे पढ़ाई से लेकर खेलकूद तक में अव्ध्वल रहते हैं। परिसर सुंदर, स्ध्वच्ध्छ व आकर्षक है। चारदीवारी पर वॉल पेंटिंग आने जाने वालों को अपनी ओर आकर्षित करती है। यह विद्यालय पूरे क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट शिक्षण व्यवस्था के लिए जाने जाते है। बाउंड्रीवाल पर बने पेंटिंग व महापुरुषों की तस्ध्वीरें आकर्षक का केंद्र हैं। व्यवस्थित पाथ–वे, इंटरलाकिंग व फूल पौधों से युक्त गमलों की श्रेणीबद्ध श्रृंखला परिसर को और सुंदर व आकर्षक बना रहे हैं। विद्यालयों में बने कमरों में से एक–एक आफिस है, जबकि अन्य कमरों में पढ़ाई होती है। प्रकाश के लिए इन्वर्टर की व्यवस्था के साथ–साथ बच्ध्चों को शुद्ध पेयजल की व्यवस्था प्रधान प्रतिनिधि द्वारा कराई गई है। विद्यालय के आकर्षण को देख कर गांव के तमाम लोगों ने अपने बच्ध्चों का प्राइवेट स्कूलों से हटाकर यहां प्रवेश करवाया है। प्रधान प्रतिनिधि रणविजय सिंह एडवोकेट ने बताया कि, उनकी ग्राम पंचायत के विद्यालयों को कायाकल्प योजनाओं में शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल, बालक व बालिका शौचालय यूनिट, जल–नल आपूर्ति, हैंड वाशिंग यूनिट, श्यामपट्ट, रसोईघर, विद्यालय की रंगाई–पुताई, दिव्यांग सुलभ रैम्प रेलिंग, कक्षा–कक्ष में उपयुक्त वायरिंग एवं उपकरण, विद्युत संयोजन, इन्वर्टर, बालक–बालिका मूत्रालय, नल– जल आपूर्ति तथा फर्नीचर डेस्क–बेंच से संतृप्त है।

अरविन्द कुमार सिंह गोप ने किया जिला बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित संयुक्त मंत्री प्रकाशन प्रभारी एड नवीन कुमार रस्तोगी का स्वागत

ब्यूरो चीफ फहीम सिद्दीकी

बाराबंकी। जिला बार एसोसिएशन, बाराबंकी के नवनिर्वाचित संयुक्त मंत्री प्रकाशन प्रभारी सरदार बेन्त सिंह एसोसिएट्स के अधिवक्ता नवीन कुमार रस्तोगी एवं कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य अधिवक्ता हिमालय जायसवाल को पूर्व कैबिनेट मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार अरविन्द कुमार सिंह गोप ने अपने सिविल लाइन, बाराबंकी स्थित आवास पर गुलदस्ता, अंगवस्त्र भेंटकर एवं माला पहनाकर स्वागत कर ऐतिहासिक जीत की बधाई शुभकामनाएं प्रेषित कर उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर प्रमुख रूप पूर्व विधायक राम गोपाल रावत, वरिष्ठ छात्रनेता – लखनऊ विश्वविद्यालय छात्रसंघ अधिवक्ता दानिश सिद्दीकी, पूर्व सभासद अधिवक्ता मोहम्मद आसिफ, मोहम्मद हंजला अधिवक्ता – हाईकोर्ट लखनऊ, अधिवक्ता योगेश द्विवेदी, अधिवक्ता अजहर हनीफ, अधिवक्ता अभिषेक वर्मा, पूर्व वाईस चेयरमैन – नगर पालिका परिषद नवाबगंज बाराबंकी नसीम कीर्ति, वरिष्ठ नेता – सपा चौधरी कलीमुद्दीन उस्मानी, अजय कुमार वर्मा बब्लू एवं हशमत अली गुड्डू, सभासद ताजबाबा राईन, सानू राठौर, वैभव सैनी, वैस सलमानी, पत्रकार उस्मान अली आदि प्रमुख लोग उपस्थित थे।

भवदीय पब्लिक स्कूल के मेधावी छात्र-छात्राओं ने जिले का नाम किया रोशन

भवदीय पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने बोर्ड परीक्षा 2025 में लहराया परचम

आजम खान

अयोध्या। सी.बी.एस.ई. बोर्ड द्वारा घोषित 12वीं की बोर्ड परीक्षा परिणाम में भवदीय पब्लिक स्कूल के छात्र–छात्राओं ने पुनः अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है और इसी क्रम में हाईस्कूल के छात्र–छात्राओं ने भी अपना परचम लहराया। विद्यालय की निदेशिका डॉ0 रेनू वर्मा ने बताया कि विद्यालय के इंटर के छात्र विज्ञान संकाय से अभिषेक यादव ने 96 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान, आदर्श कुमार यादव ने 90प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान एवं अनुराग वर्मा तथा सुहानी जायसवाल ने 89 प्रतिशत अंक हासिल कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। वाणिज्य संकाय से छात्रा संध्या मौर्य ने 93 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान, अपूर्वा गोस्वामी ने 91 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान एवं आयुषमान मिश्रा ने 90 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया और मानविकी संकाय से छात्रा तृप्ति गिरि ने 94 प्रतिशत अंक से अधिक अंक हासिल कर प्रथम स्थान, आदित्य राज पटेल ने 94 प्रतिशत अंक हासिल कर द्वितीय स्थान, अंशिका श्रीवास्तव ने 93 प्रतिशत अंक हासिल कर तृतीय स्थान, श्रेया दूबे ने 92 प्रतिशत अंक हासिल कर चौथा स्थान एवं आयुष वर्मा ने 90 प्रतिशत अंक हासिल कर पंचम

स्थान प्राप्त किया। इसी के साथ कक्षा 10वीं से श्रेयांश मिश्रा ने 98 प्रतिशत, दिव्यांश पाण्डेय ने 97 प्रतिशत, अंश मौर्या ने 96 प्रतिशत, दिव्यांश पाण्डेय पुत्र श्री राम किशोर ने 96 प्रतिशत, पृथ्वीराज कमल ने 96 प्रतिशत, अंश सिंह एवं अंतिश पाण्डेय ने 94 प्रतिशत, प्रांजल यादव एवं आकृति वर्मा ने 93 प्रतिशत, परी आस्था भटनागर 93 प्रतिशत, आलोक प्रजापति, वैष्णवी सिंह एवं राजवर्धन ने 92 प्रतिशत तथा अनुष्का मिश्रा ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया और इसी क्रम में 25 से अधिक विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्तकर विद्यालय को गौरवांवित किया। डॉ0 रेनू वर्मा ने छात्र–छात्राओं के उत्साहवर्धन के लिए उनका एवं अभिभावकों का माल्यार्पण कर मुंह मीठा करवाया।विद्यालय प्रबंधक डॉ0 अवधेश कुमार वर्मा एवं अध्यक्ष श्री पी.एन. वर्मा ने यह श्रेय प्रधानाचार्य, शिक्षकों छात्र–छात्राओं तथा अभिभावकों को दिया है जिन्होने कड़ी मेहनत एवं समर्पण भाव से कम समय में विद्यालय को उन्नति पर पहुँचाया है। भवदीय पब्लिक स्कूल क्षेत्र का एक ऐसा स्कूल है जो विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास पर जोर देता है। खेलों के अलावा एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज, स्पोकन इंग्लिश, कम्युनिकेशन स्किल, जनरल अवेयरनेस, पर्सनल डेवलपमेंट और लीडरशिप ट्रेनिंग पर भी विशेष जोर दिया जाता है।

बड़े मंगल पर पत्रकार मंजीत निगम के नेतृत्व मे व्यापारियों द्वारा किया गया भंडारे का आयोजन

ब्यूरो चीफ फहीम सिद्दीकी

फतेहपुर बाराबंकी। ज्येष्ठ माह के प्रथम मंगलवार को मुंशीगंज बाजार मे पत्रकार मंजीत निगम के नेतृत्व में स्थानीय व्यापारियों द्वारा भव्य भंडारे आयोजन किया गया। इस मौके पर आदर्श नगर पंचायत फतेहपुर अध्यक्ष इरशाद अहमद कमर ने पहुंचकर लोगों को प्रसाद वितरित किया। श्री इरशाद ने पत्रकार मंजीत एवं व्यापारियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज मे सद्भाव पैदा होता है। भंडारे मे मुख्यरूप से समीर गुप्ता,डॉ ओमकार,आकाश गुप्ता,रवि गुप्ता,रितिक निगम,विक्की जायसवाल,वैभव गुप्ता,गोलू जैन,अनूप पटेल,अलीम शेख एवं असलम कुरैशी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

भाजपा के असंतुलन से देश को नुकसान

लगभग 20 दिनों की चुप्पी के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार रात आठ बजे राष्ट्र के नाम संबोधन करने का फैसला लिया तो देश को इत्मीनान हुआ कि आखिरकार प्रधानमंत्री देश की सुरक्षा को लेकर सीधी बात करेंगे। इससे पहले सोमवार दोपहर तक भारत–पाक के बीच संघर्ष को लेकर कई किस्म के सवाल चर्चा में थे, जैसे अमेरिका किस तरह भारत और पाकिस्तान के मामले में दखलंदाजी कर सकता है। क्या चीन ने इस बार पाकिस्तान को भारत पर आक्रमण करने में मदद की है। क्या भारत ने अमेरिका के पास जाकर युद्धविराम की पहल की। इन सवालों के बीच पहले खबर आई कि भारत और पाक के बीच डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस यानी डीजीएमओ स्तर पर चर्चा हो रही है और उसके थोड़ी देर बाद खबर आ गई कि प्रधानमंत्री मोदी रात आठ बजे राष्ट्र को संबोधित करने वाले हैं। माना गया कि यह संबोधन ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद के घटनाक्रम को लेकर ही होगा। दरअसल इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री के संबोधन का इंतजार इसलिए था क्योंकि उनकी चुप्पी से बातें अनावश्यक उलझती जा रही थीं। श्री मोदी ने भले ही राजनैतिक लाभ के लिए चुप रहना बेहतर समझा हो, लेकिन इसका कूटनीतिक नुकसान भारत को हुआ और पार्टी के तौर पर भी भाजपा को इसमें संभावित नुकसान ही हुआ। इसलिए रविवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के आवास पर भाजपा के मंत्रियों और बड़े नेताओं की बैठक हुई, और मंगलवार से पार्टी ने 10 दिनों तक यानी 23 मई तक तिरंगा यात्रा निकालने का फैसला किया है, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर की उपलब्धियां देश को बताई जाएंगी। हालांकि सैन्य अभियानों की उपलब्धियां गिनाने की जरूरत नहीं होती। हाथ कंगन को आरसी क्या, जो कुछ सेना ने किया वह नजर आ ही जाता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी दिख रहा था कि भारत के आगे पाकिस्तान पस्त पड़ रहा है। लेकिन शनिवार शाम से हालात बदल गए। पहले युद्धविराम का ट्रंप की तरफ से ऐलान करना, फिर भारत का यही घोषणा करना और उसके बाद पाकिस्तान की तरफ से नए हमले, ये सारा घटनाचक्र इतनी जल्दी घूमा कि जनता परेशान हो गई कि आखिर कौन सी मजबूरी थी कि भारत को युद्धविराम के लिए सहमत होना पड़ा। युद्धविराम के लिए क्या किसी कागज पर हस्ताक्षर हुए हैं, अगर नहीं तो क्या मुंहजुबानी बात को मान लिया जाए। पाकिस्तान इस बात को क्यों नहीं मान रहा। क्यों एक तरफ पाकिस्तान के हमले हो रहे हैं और दूसरी तरफ शाहबाज शरीफ जीत वाला भाषण दे रहे हैं। ये सारे सवाल विपक्ष से ज्यादा भाजपा समर्थक लोग और खासकर पत्रकार ही उठाने लगे। इस बीच विदेश सचिव विक्रम मिस्री और उनके परिजनों की सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग भी होने लगी क्योंकि युद्धविराम की जानकारी उन्होंने ही दी थी। भाजपा ने ट्रोल आर्मी की शक्ल में भस्मासुर पाले हैं, यह बात जाहिर होने लगी। भाजपा ने पहलगाम हमले को जिस तरह चुनाव में भुनाने की योजना बनाई होगी, वह अमल में आने से पहले ही बेकार होती नजर आई तो अब प्रधानमंत्री को सामने आना ही पड़ा। इस बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हालात ऐसे बने जिसमें नजर आया कि किस तरह भारत को अकेला किया जा रहा है। शाहबाज शरीफ ने तो अपने संबोधन में अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, तुर्किए, सऊदी अरब, कतर सबका नाम लेकर शुक्रिया अदा कर दिया, और इनमें से किसी ने भी ये नहीं कहा कि अपनी लड़ाई में हमारा नाम मत लो। यानी सबने सहमति दी कि वो पाकिस्तान के साथ खड़े थे। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जो बार–बार ये कहते रहे कि भारत–पाक मेरे लिए दोनों बराबर हैं, उन्होंने भी इस युद्धविराम की घोषणा से पाकिस्तान को खुश और भारत को असहज कर दिया। भारत की यह नीति रही है कि कश्मीर एक द्विपक्षीय मसला है और इसमें किसी तीसरे देश की मध्यस्थता स्वीकार्य नहीं है। लेकिन ट्रंप ने पहले युद्धविराम का ट्वीट किया फिर अगले दिन के ट्वीट में कश्मीर मसले का जिक्र कर संकेत दे दिए कि ये दखलंदाजी अब कश्मीर मुद्दे तक पहुंचने वाली है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी लिखा है कि भारत और पाकिस्तान विवादों को सुलझाने के लिए किसी तीसरे देश में बात करेंगे। और रुबियो के ट्वीट पर कारोबारी एलन मस्क ने लिख दिया बधाई। यानी अमेरिका ने पूरी तरह भारत को अपनी शर्तों पर चलता हुआ दिखाने की कोशिश की। इस बात ने भारत को असहज कर दिया। विदेश मंत्री एस जयशंकर के ट्वीट से इसका पता चलता है। भारतीय विदेश मंत्री ने लिखा है, भारत–पाकिस्तान गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए एक सहमति पर पहुंचे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर : एक पूर्व-सुनिश्चित नाकामी का रोजनामचा

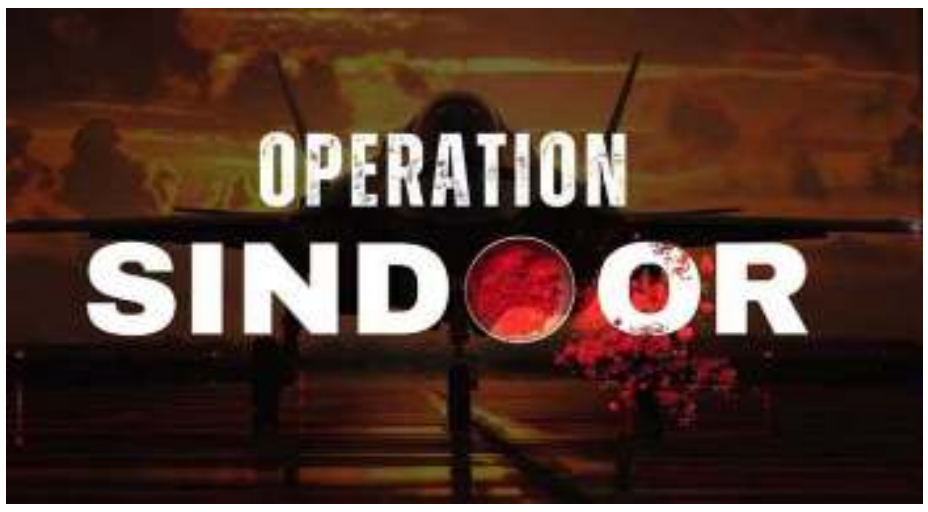

राजेंद्र शर्मा

जैसा कि आसानी से अनुमान लगाया जा सकता था, ऑपरेशन सिंदूर के अचानक पटाक्षेप के बाद, उसे कामयाब साबित करने की विभिन्न स्तरों पर कोशिशें शुरू हो गयी हैं। बेशक, खुद प्रधानमंत्री ही नहीं, उनके बाद दूसरे–तीसरे नंबर के दावेदार राजनीतिक नेताओं ने भी, पहले चरण में चुप रह कर, इसके जबर्दस्त प्रयास में सैन्य प्रतिष्ठान को ही सबसे आगे धकेला है। डीजीएमओ और तीनों सेनाओं के शीर्ष प्रतिनिधियों की एक साझा पत्रकार वार्ता में जहां एक ओर, यह स्थापित करने की कोशिश की जा रही थी कि 10 तारीख की शाम से हुई जंगबंदी, पाकिस्तानी डीजीएमओ की फोन करने की पहल के बाद, दोनों पक्षों में बनी सहमति से हुई थी, न कि अमेरिका की मध्यस्थता से हुई थी। वहीं दूसरी ओर यह दिखाने की भी कोशिश की जा रही थी कि इस तीन दिन की लड़ाई में, पाकिस्तानी आतंकवादी ठिकानों को ही नहीं, सेना को भी बहुत भारी नुकसान उठाना पड़ा है, जबकि भारत को उसकी तुलना में बहुत ही कम नुकसान उठाना पड़ा है। यानी 7 से 10 मई तक का यह ऑपरेशन, भारत की नजर से कामयाब रहा है। इसी के समानांतर, सत्ताधारी संघ–भाजपा के आईटी सेल और उससे निर्देशित ट्रोल सेना ने कम से कम तीन धारणाएं बनाने के लिए अपनी ताकत झोंक दी है। पहली यह कि जो जंगबंदी हुई है, वह वास्तव में जंगबंदी से कमतर कोई चीज है। ऑपरेशन सिंदूर भी खत्म नहीं हुआ है बल्कि वह तो बराबर जारी है। दूसरे, इस संक्षिप्त कार्रवाई में मोदी सरकार ने बता दिया है कि अब हरेक आतंकवादी कार्रवाई का जवाब इसी तरह पाकिस्तान के अंदर प्रहार से दिया जाएगा। तीसरे, पाकिस्तान को भारत की प्रहार शक्ति का अंदाजा हो गया है और अब वह भारत के खिलाफ कोई शरारत करने से पहले दस बार सोचेगा। आने वाले दिनों में बार–बार दोहराने के जरिए, जीत के इन दावों को और कई गुना फुलाने की ही कोशिश नहीं की जा रही हो, तो ही हैरानी की बात होगी। विडंबनापूर्ण तरीके से यहां उनके लिए गोदी मीडिया का वह कुख्यात रूप से अतिरंजित प्रचार भी, किसी न किसी तरह से प्रयोग में आ रहा हो सकता है, जिसकी इस तरह प्रचार उपयोगिता को ही पहचान कर, सत्ताधारी ताकतों ने आधिकारिक स्तर पर उनके ऊल–जुलूल दावों से दूरी बनाने के बावजूद, उन्हें रोकना तो दूर, टोकने तक की कोई जरूरत नहीं समझी थी। दूसरी ओर, लड़ाई के संदर्भ में फेक न्यूज और भारत–विरोधी खबरों पर अंकुश लगाने के नाम पर, मोदी सरकार के प्रति आलोचात्मक रुख रखने वाले कई यूट्यूब चौनलों सहित सोशल मीडिया प्लेटफार्म, एक्स पर एक साथ पूरे आठ हजार खातों को रोकने के लिए, जबर्दस्त सरकारी प्रहार किया गया था। इसी सिलसिले में लोकप्रिय डिजिटल समाचार प्लेटफार्म, दवायर तक पर सरकार की गाज गिरी थी। ऐसी ही गाज चर्चित पत्रकार, पुण्यप्रसून वाजपेयी के यूट्यूब चौनल पर भी गिरी थी।

बहरहाल, ये सारी प्रचार कोशिशें अपनी जगह, सत्ताधारियों के लिए अपनी समर्थक कतारों से भी इस अचानक खत्म हुई लड़ाई को अपनी और सबसे बढ़कर नरेंद्र मोदी की जीत मनवाना, आसान नहीं हो रहा है। इसके सबूत के तौर पर हम, 10 तारीख की शाम संवाददाता सम्मेलन में युद्घ विराम की घोषणा करने मात्र के लिए, विदेश सचिव मिस्री को ही नहीं, उनके पूरे परिवार को ही, जिस तरह की भीषण ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है, उसे रखना चाहते हैं। कहने की जरूरत जरूरत नहीं है कि इस संक्षिप्त लड़ाई के दौरान खासतौर पर देश का चेहरा बने रहे विदेश सचिव के परिवार की इस तरह की भीषण ट्रोलिंग शर्मनाक है। लेकिन, सिर्फ उक्त निर्णय की घोषणा करने के लिए मिस्री की इस तरह की ट्रोलिंग से साफ हो जाता है कि श्जीतश का नैरेटिव, खुद सत्ताधारी संघ–भाजपा की कतारों के गले से नीचे नहीं उतर रहा है और वे अपना फ्रस्टेशन निकालने के लिए किसी अपेक्षाकृत कमजोर शिकार की तलाश में हैं। कमजोर शिकार की तलाश में इसलिए कि वास्तव में जंगबंदी का फैसला लेने वालों, नंबर वन, नंबर टू आदि के निर्णय पर सीधे सवाल उठाने की, उनमें हिम्मत नहीं है। इस संघी ट्रोल सेना के मिस्री पर इस तरह झपट पड़ने के खिलाफ सत्तापक्ष से इन पंक्तियों के लिखे जाने तक किसी ने चूं तक नहीं की थी। इसकी वजह समझना मुश्किल भी नहीं है। इस तरह की सेना को, शिकारी कुत्तों की तरह लहकाया तो जा सकता है, लेकिन अंकुश में नहीं रखा जा सकता। यही इस परिघटना का चरित्र है। इस सिलसिले में आईएएस एसोसिएशन के अलावा शासन की ओर से किसी के हस्तक्षेप न करने से बरबस, कई साल पहले की घटना याद आ जाती है। तब नरेंद्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल के दौरान, तब तक भाजपा के शीर्ष नेताओं में मानी जाने वाली, तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज को, उनके मंत्रालय से जुड़े किसी छोटे से काम के लिए, जो इस ट्रोल पलटन को नागवार गुजरा था, भीषण तरीके से ट्रोल किया गया था। बुजुर्ग नेता के पति तक को इसमें नहीं बक्शा गया था। इसके बावजूद, उस समय भी संघ–भाजपा का कोई नेता, सुषमा स्वराज की हिमायत में सामने नहीं आया था। बहरहाल, इतने पीछे क्यों जाएं। मिस्री से चंद रोज पहले ही, पहलगाम में ही आतंकवादियों के हाथों मारे गए नौसेना अधिकारी की विधवा, हिमांशी नरवाल को इसी संघी ट्रोल सेना ने सिर्फ इतना कहने के लिए बुरी तरह से ट्रोल किया था कि हमें न्याय चाहिए, लेकिन हम नहीं चाहते हैं कि कश्मीरियों के, मुसलमानों के पीछे पड़ जाया जाए। और यह भी संयोग ही नहीं है कि हिमांशी नरवाल और मिस्री की पुत्री, दोनों को ही उनके जेएनयू नेक्शन के हवाले से इस ट्रोलिंग का निशाना बनाया गया है।बेशक, जिस तरह से यह युद्घविराम हुआ है, इस संघी ट्रोल सेना में ही नहीं, आम लोगों में भी उस पर काफी असंतोष है। इस असंतोष की एक वजह तो यह युद्घविराम, अमेरिका के हस्तक्षेप से होना ही है। सभी जानते हैं कि शिमला समझौते के बाद से भारत इस रुख पर दृढ़ रहा है कि भारत–पाकिस्तान के बीच जो भी विवाद हैं, जिसमें कश्मीर विवाद भी शामिल है, द्विपक्षीय मामला ही हैं और इसमें किसी तीसरे पक्ष का दखल मंजूर नहीं है। इसने, कश्मीर के मुद्दे का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने की पाकिस्तान की कोशिशों से भारत को निजात दिलायी है। लेकिन, अमरीकी राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति तथा विदेश सचिव के सार्वजनिक बयानों के बाद, इसमें किसी संदेह की गुंजाइश नहीं रह गयी है कि अमेरिका की मध्यस्थता में ही यह युद्घविराम हुआ है। और यह भारत के बहु–प्रचारित रुख के लिए एक बड़ा धक्का है। लेकिन, आम नाराजगी सिर्फ अमेरिका के दखल के लिए गुंजाइश बनाए जाने पर ही नहीं है। नाराजगी खुद इस युद्घविराम को लेकर भी है। सैन्य मामलों के विशेषज्ञों से लेकर, आम लोग यह समझ पाने में असमर्थ हैं कि आखिरकार, इस ऑपरेशन सिंदूर का हासिल क्या है? सैन्य मामलों के जानकार, जीत और कामयाबी के दावों को ज्यादा महत्व देने के लिए तैयार नहीं हैं। और इनमें जंगबंदी पर भावनात्मक प्रतिक्रिया करने वालों और अनाप–शनाप मांगें करने वालों से अलग, ऐसे वस्तुगत नजरिया अपनाने वाले भी शामिल हैं, जो यह जानते भी हैं और मानते भी हैं कि ऐसी लड़ाइयों का अंत, युद्घविराम में ही होता है और युद्घ जितना कम चले और युद्घविराम जितना जल्दी हो, सभी के लिए उतना ही बेहतर होता है। इस जंगबंदी से उठने वाला असली मुद्दा यह है कि अगर इस तरह के परिणामों पर ही जंगबंदी होनी थी, तो क्या जंग शुरू किए जाने की रणनीति ही गलत नहीं थी? बेशक, पहलगाम की नृशंसता को बिना दंड के नहीं छोड़ा जा सकता था। लेकिन, इसके लिए जो रणनीति आपरेशन सिंदूर के नाम से मोदी सरकार ने अपनायी, वह इकलौती रणनीति तो नहीं थी। इससे भिन्न, क्या 26ध्11 के बाद भारत द्वारा अपनायी गयी रणनीति ही कहीं बेहतर नहीं थी, जिसमें मुंबई पर हमला करने वाले सभी आतंकवादियों को न सिर्फ मार गिराया गया था और जिंदा पकड़े गए इकलौते आतंकवादी अजमल कस्साब को बाकायदा कानूनी प्रक्रिया का पालन कर फांसी दी गयी थी, आतंकवादियों के पाकिस्तान में बैठे हेंडलरों तथा कुल मिलाकर पाकिस्तान की संलिप्तता को भी, व्यापक रूप से बेनकाब करना संभव हुआ था। इसके मुकाबले, मोदी सरकार ने सैन्य ऑपरेशन का जो नाटकीय तरीका अपनाया, उसका हासिल कहीं कम है और कीमत कहीं ज्यादा है। इसके बावजूद, मोदी सरकार ने वही रास्ता अपनाया, जबकि उन्हें बखूबी पता था कि इसका परिणाम ऐसे शस्त्र विराम में होना है। मोदी सरकार ने आपरेशन सिंदूर का ही रास्ता क्यों अपनाया, इसका कारण समझना कोई बहुत मुश्किल भी नहीं है। इन कारणों की शुरूआत, पहलगाम की घटना के लिए जिम्मेदार, भारी सुरक्षा चूक पर पर्दा डालने की जरूरत से होती है। इस सुरक्षा चूक को यह सच और भी खटकने वाला बना देता है कि पिछले छरू साल से ज्यादा से जम्मू–कश्मीर में वास्तविक सत्ता केंद्र सरकार के हाथों में है और इसके लिए वहां तमाम जनतांत्रिक प्रक्रियाओं की इस सरकार ने बाकायदा हत्या की है। इस पर्दापोशी के लिए ही ऑपरेशन सिंदूर का ईवेंट आयोजित किया जाता है, जैसी कि नरेंद्र मोदी की जानी–पहचानी शैली है। और युद्घ के इस ईवेंट का आयोजन यह जानते हुए भी किया जाता है कि भारत और पाकिस्तान के बीच ताकत का असंतुलन ऐसा नहीं है, जहां भारत निर्णायक सैन्य जीत हासिल कर सकता हो। उल्टे दोनों देशों के पास नाभिकीय हथियारों की मौजूदगी ने तो, परंपरागत बलों की ताकत के इस असंतुलन को बहुत हद तक पाट ही दिया है। ऐसे में ऑपरेशन सिंदूर का वही हश्र होना था, जो कि हुआ है। अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिहाज से उसकी नाकामी पूर्व–निश्चित थी। यह दूसरी बात है कि अमेरिका की मध्यस्थता में हुए युद्घविराम के बाद, अब भारत और पाकिस्तान, दोनों ही अपनी श्जीतश के दावे करते रह सकते हैं।

जीनोम संपादित : चावल विरासत की बेदखली ?

निलेश देसाई

भारत में चावल की जीनोम संपादित किस्मों को मंजूरी देने की दिशा में बढ़ते कदम ने कृषि क्षेत्र में एक नई बहस छेड़ दी है। एक तरफ, यह तकनीक फसल सुधार और उत्पादन वृद्धि की अपार संभावनाओं का दावा करती है, वहीं दूसरी तरफ, प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों और देशी बीजों के संरक्षण के लक्ष्यों के लिए कई चुनौतियां खड़ी करती है। यह लेख बीज संप्रभुता, देशी बीजों की शुद्धता और जैव–विविधता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों की चुनौतियों का विश्लेषण करता है। जीनोम इंजीनियरिंग (जीनोम एडिटिंग) का मतलब किसी जीन के जेनेटिक कोड में बदलाव करना है। बदलावों में जीन को खत्म करने के लिए न्यूक्लियोटाइड को हटाना, प्रोटीन को खत्म करने के लिए न्यूक्लियोटाइड को जोड़ना या म्यूटेशन बनाने के लिए न्यूक्लियोटाइड को संपादित करना शामिल है। प्राकृतिक खेती, जो रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग के बिना टिकाऊ कृषि पद्धतियों पर जोर देती है, देशी बीजों पर बहुत अधिक निर्भर है। देशी बीज, जो सदियों से स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल विकसित हुए हैं, प्राकृतिक खेती के लचीले और आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र के आधार हैं। ये बीज न केवल स्थानीय जलवायु और मिट्टी के लिए अनुकूल होते हैं, बल्कि उनमें रोग–प्रतिरोधक क्षमता और पोषण का भी अपना विशिष्ट संयोजन होता है। जीनोम इंजीनियरिंग तकनीक सदियों से स्थापित इन कृषि पद्धतियों के लिए कई स्तरों पर चुनौती पेश करती है।

बीज संप्रभुता पर खतरा–जीनोम संपादित बीजों का विकास और व्यावसायीकरण अक्सर बड़ी, बहुराष्ट्रीय कृषि जैव–प्रौद्योगिकी कंपनियों के हाथों में केंद्रित होता है। इन कंपनियों के पास अक्सर इन बीजों पर बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) होते हैं, जैसे कि पेटेंट। इसके परिणामस्वरूप, किसानों को हर फसल–चक्र के लिए नए बीज खरीदने को मजबूर होना पड़ सकता है, जिससे उनकी परम्परागत रूप से चली आ रही बीज स्वतंत्रता और नियंत्रण कम हो जाता है। प्राकृतिक खेती का एक मूल सिद्धांत किसानों की बीज संप्रभुता है, जहां वे स्वयं अपने बीजों का उत्पादन, संरक्षण और आदान–प्रदान कर सकते हैं। जीनोम संपादित बीजों पर निर्भरता इस स्वायत्तता को कमजोर करती है और किसानों को बाहरी संस्थाओं पर निर्भर बनाती है। यह न केवल उनकी लागत बढ़ाता है, बल्कि उन्हें बाजार की ताकतों के प्रति भी अधिक संवेदनशील बनाता है। देशी बीजों के विपरीत, जिन्हें किसान पीढ़ी–दर–पीढ़ी बचाकर और सुधारकर अपनी स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार ढाल सकते हैं, जीनोम संपादित बीजों के साथ यह लचीलापन सीमित हो जाता है। देशी बीजों की शुद्धता पर संकट–जीनोम संपादित चावल की किस्मों की खेती से देशी चावल की किस्मों के आनुवांशिक प्रदूषण का खतरा बढ़ जाता है। परागण के माध्यम से, जीनोम संपादित बीजों के जीन जाने–अनजाने में पड़ोसी खेतों में उगाई जा रही देशी किस्मों में स्थानांतरित हो सकते हैं। यह न केवल देशी बीजों की अनुवांशिक शुद्धता को खतरे में डालता है, बल्कि उनकी विशिष्ट विशेषताओं और स्थानीय अनुकूलन को भी बदल सकता है। प्राकृतिक खेती में बीजों की शुद्धता अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह मिट्टी के सूक्ष्मजीवों और अन्य जैविक घटकों के साथ उनकी जटिल अंतःक्रिया को प्रभावित करती है। यदि देशी बीजों की अनुवांशिक संरचना बदल जाती है, तो यह प्राकृतिक खेती के समग्र पारिस्थितिकी तंत्र को बाधित कर सकती है। जैविक प्रमाणीकरण के लिए भी बीजों की गैर–जीएमओ (गैर–अनुवांशिक रूप से संशोधित) स्थिति आवश्यक है, और जीनोम संपादन के माध्यम से होने वाला अनपेक्षित जीन–प्रवाह इस प्रमाणीकरण को खतरे में डाल सकता है। जैव विविधता के लिए चुनौती–भारत चावल की समृद्ध जैव–विविधता का केंद्र रहा है, जिसमें हजारों वर्षों से विकसित हुई अनगिनत देशी किस्में मौजूद हैं। ये किस्में विभिन्न कृषि–जलवायु क्षेत्रों के लिए अनुकूल हैं और विभिन्न प्रकार की पोषण संबंधी और सांस्कृतिक आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। यदि जीनोम संपादित अधिक उपज वाली किस्में व्यापक रूप से अपनाई जाती हैं, तो ये किसानों को व्यावसायिक रूप से आकर्षक बीजों की ओर आकर्षित कर सकती हैं, जिससे देशी चावल की किस्मों की खेती कम हो जाएगी। इसके परिणामस्वरूप चावल की अनुवांशिक–विविधता का भारी नुकसान हो सकता है। जैव–विविधता का नुकसान कृषि–पारिस्थितिकी तंत्र को कमजोर करता है, फसलों को बीमारियों, कीटों और जलवायु परिवर्तन के प्रति अधिक संवेदनशील बनाता है। प्राकृतिक खेती जैव–विविधता को बढ़ावा देने पर जोर देती है, क्योंकि यह मिट्टी के स्वास्थ्य, कीट–नियंत्रण और समग्र पारिस्थितिकी–तंत्र के संतुलन के लिए आवश्यक है। देशी बीज इस जैव–विविधता का एक अभिन्न अंग है और उनका नुकसान कृषि को कमजोर बना सकता है। चावल की जीनोम संपादित किस्मों को मंजूरी देना संभवतरू खाद्य–सुरक्षा और फसल सुधार के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोलता है, लेकिन प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों और देशी बीजों के संरक्षण के लक्ष्यों के साथ इसके गहरे विरोधाभास और चुनौतियां हैं। बीज संप्रभुता का क्षरण, देशी बीजों की अनुवांशिक शुद्धता पर खतरा और जैव–विविधता का नुकसान ऐसे गंभीर मुद्दे हैं जिन पर नीति निर्माताओं, वैज्ञानिकों और किसानों को मिलकर विचार करना होगा। एक टिकाऊ और समावेशी कृषि भविष्य के लिए यह आवश्यक है कि हम ऐसी नीतियों को बढ़ावा दें जो न केवल उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करे, बल्कि किसानों की स्वायत्तता, देशी बीजों के संरक्षण और कृषि जैव–विविधता की सुरक्षा को भी प्राथमिकता दे। जीनोम संपादन जैसी नई तकनीकों का मूल्यांकन सावधानीपूर्वक और समग्र दृष्टिकोण के साथ किया जाना चाहिए, जिसमें प्राकृतिक खेती और देशी बीजों के महत्व को भी समझा जाए। हमें एक ऐसे मार्ग की तलाश करनी होगी जो नवाचार और स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखे और किसानों को सशक्त बनाए रखते हुए हमारी कृषि विरासत को सुरक्षित रखे।

आज का राशि फल

मेष :–सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। रोजगार में लाभ के नये अवसर मिलेंगे। पिता के स्वास्य के प्रति सचेत रहें। किसी मेहमान के आगमन से घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

वृषभ :– नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। जरूरी कायरे की समय से पूर्ति करें।

मिथुन :– नये क्षेत्रों मे प्रयास से लाभ संभव। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी। नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता बरतें।

कर्क :– सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन में निराशा पैदा करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। रोजगार में क्षमता का पूर्ण लाभ मिलेगा।

सिंह :– कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। घर में किसी मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

कन्या :– मन को सकारात्मक दिशा की ओर केंद्रित करें। भाग्य से प्राप्त अच्छी बुरी सभी स्थितियों के साथ समझौतावादी बने। अपने सुख–दुख छोड़ परिजनों के सुख के बारे में सोचें। आलस्य कतई न करें।

तुला :– पुरानी गलतियों से सीख लेते हुए वर्तमान को सुधारें। अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरनें। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक :– भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी।

धनु :– मूल्यवान समय को व्यर्थ के कायरें में न जाया करें। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ संभव। संवेदनशील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकते हैं। जरूरी कायरे की पूर्ति समय से करें।

मकर :– योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। मस्त–मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कायरे के प्रति लापरवाह होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम तीव्र होगा।

कुंभ :– किसी की अस्वस्थता से परिवार में कष्टप्रद माहौल होगा। महत्वपूर्ण कार्यवश घर से दूर जाना पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कायरें के प्रति आलस्य न करें। रोजगार में आ रही समस्याओं से निराश न हों।

मीन :– प्रतिभाओं के बावजूद हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

संक्षिप्त खबरें

उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की सदस्या प्रियंका मौर्या का दो दिवसीय जनपद भ्रमण कार्यक्रम आज और कल

वसीम

अमेठी। सदस्या उ0प्र0 राज्य महिला आयोग, प्रियंका मौर्या जी का दो दिवसीय जनपद भ्रमण कार्यक्रम आज और कल प्रस्तावित है, जिसके तहत सदस्या द्वारा आज महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने तथा आवेदकध्आवेदिका की सुगमता की दृष्टि से महिला उत्पीड़न मामलों की समीक्षा, महिला जनसुनवाई प्रात प्रातः 11 बजे से तहसील गौरीगंज सभागार में करेंगी, तत्पश्चात 1रू30 बजे महिला जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगी, अपराह्न 3रू00 बजे से कस्तूरबा गांधी विद्यालय एवं वृद्धाश्रम का निरीक्षण करेंगी, कल जिला अस्पताल व आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण करेंगी। यदि किसी महिला को घरेलू हिंसा या अन्य किसी प्रकार की समस्या का सामना करना पड़ रहा है और उसकी सुनवाई कहीं नहीं हो रही है तो वह आज पूर्वाह्न 11रू00 से तहसील गौरीगंज सभागार में उपस्थित होकर राज्य महिला आयोग की सदस्या के समक्ष अपनी शिकायत प्रस्तुत कर सकती हैं, सदस्या द्वारा उनकी शिकायतों का उचित और त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया जाएगा।

विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता कार्यालय परिसर में भंडारे का आयोजन किया गया

आजम खान

अयोध्या। ज्येष्ठ माह के प्रथम मंगलवार के पावन दिवस के अवसर पर विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता कार्यालय परिसर में भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधुत विभाग के मुख्य अभियंता अशोक चौरसिया,व अधीक्षण अभियंता राम कुमार ने बजरंग बली के चित्र पर पुष्प अर्पित कर पूजन के उपरांत प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया। जेष्ठ माह के प्रथम मंगलवार के अवसर पर मुख्य अभियंता अशोक चौरसिया,व अधीक्षण अभियंता राम कुमार ने सभी को बधाई देते हुए मंगल कामना किया। इस अवसर पर भंडारे का आयोजन इं. राम कुमार के मार्गदर्शन में निखिल सिंह, निखिल श्रीवास्तव (प्र.पार्षद चित्रगुप्त नगर वार्ड), शारिक सिद्दीकी एवं समस्त वितरण मंडल कार्यालय के कार्मिकों द्वारा किया गया। और इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा प्रसाद ग्रहण किया गया।

नरायन इंटरप्राइजेज के प्रोप्राइटर आनन्द शुक्ला की समाजसेवी पी के तिवारी ने सराहना की

ब्यूरो प्रमुख असद हुसैन

शुकुल बाजार अमेठी,कहते हैं ष्परहित सरिस धर्म नहि भाईष् इसी को चरितार्थ करते हुए विकासखंड शुकुलबाजार अमेठी अन्तर्गत ग्रामपंचायत हसनपुर तिवारी के गांव जमुवारी निवासी नरायन प्रसाद शुक्ला के सुपौत्र एवं कमलेश शुक्ला के होनहार सुपुत्र नरायन इंटरप्राइजेज सत्थिन के प्रोप्राइटर थोक एवं फुटकर कूलर व्यापारी सामाजिक कार्यों मे बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने वाले आनन्द शुक्ला ने संस्था कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान रजि के प्रबंधक समाजसेवी पी के तिवारी से अपने प्रतिष्ठान पर सामाजिक विषयों पर चर्चा करते हुए कहा कि वह क्षेत्र के अति आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों की बेटियों की शादी मे अपनी तरफ से एक कूलर दानस्वरूप देंगे समाजसेवी पी के तिवारी ने आनन्द शुक्ला के इस सराहनीय कदम को क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण बताया!

वरिष्ठ पत्रकार को मातृ शोक

विष्णु सिकरवार ब्यूरो प्रमुख आगरा

आगरा। अकोला के वरिष्ठ पत्रकार कमल बिहारी मुखिया की माताजी का निधन 12 अप्रैल दिन सोमवार को हो गया है। उन्होंने अपने पीछे तीन पुत्र और छैरूपौत्र, पांच प्रपौत्र सहित भरा–पूरा परिवार छोड़ा है। उनके निधन पर ब्लॉक प्रमुख रविंद्र सिंह उर्फ राजू प्रधान, प्रधान प्रतिनिधि डॉक्टर गंभीर सिंह चाहर, विपिन चौधरी, अजीत सिंह मालान, भाजपा नेता अशोक लवानिया, समाज सेवी अरविंद चाहर, कैप्टन उम्मेद सिंह, पत्रकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शंकरदेव तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष श्याम सुंदर पाराशर, जिला अध्यक्ष विष्णु सिकरवार एवं समस्त जिला इकाई आगरा ने श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक व्यक्त किया है।

फैजाबाद पब्लिक स्कूल का सीबीएसई बोर्ड का दसवीं और बारहवीं का परीक्षाफल रहा शत प्रतिशत

फैजाबाद पब्लिक स्कूल का सी0बी0एस0ई0 का बारहवीं एवं दसवीं का परीक्षाफल अभूतपूर्व रहा

आजम खान

अयोध्या। दसवी कक्षा में शौर्य दूबे 96: प्राप्त करके प्रथम स्थान पर, आदित्य वर्मा 94: एवं पुष्पेंद्र मणि तिवारी 94: पाकर द्वितीय स्थान, अर्नव तिवारी 93: प्राप्त कर तृतीय स्थान पर एवं शौर्य सिंह एवं अर्शदीप 91: अंक प्राप्त करके चतुर्थ स्थान पर रहे। अर्नव तिवारी ने कंप्यूटर में 100 अंक, शौर्य दूबे ने अंग्रेजी में 96, पुष्पेंद्र मणि तिवारी एवं अर्नव तिवारी हिंदी में 97 अंक, गणित में शौर्य दूबे 91 विज्ञान में शौर्य दुबे 98 अंक, सामाजिक विज्ञान में पुष्पेंद्र मणि तिवारी ने 96 अंक प्राप्त कर प्रथम रहे। इसी प्रकार बारहवीं विज्ञान वर्ग में रेहान हसन 90: वाणिज्य वर्ग में पुष्कर द्विवेदी 92: और श्वेता यादव 90: अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान पर रहे।विषयवार रेहान हसन अंग्रेजी में 99 अंक, अर्थशास्त्र में पुष्कर द्विवेदी 98 अंक, हिंदी में पुष्कर द्विवेदी 95 अंक, फिजिक्स में रेहान हसन 92, फिजिकल शारीरिक शिक्षा में कार्तिक शुक्ल 93 अंक पाकर सर्वश्रेष्ठ रहे। इस अवसर पर अध्यक्ष श्रीमती जरीना खघन,प्रधानाचार्य श्री कृष्ण कुमार मिश्रा एवं संयोजिका श्रीमती सदफ इकबाल ने छात्रों को बधाई दिया। प्रबंधक उमर मुस्तफा ने छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दिया। छात्रों एवं अभिभावकों ने फैजाबाद पब्लिक स्कूल की समिति, शिक्षकों ,प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य का विशेष आभार व्यक्त किया जिनके कुशल प्रबंधन में छात्रों ने सीबीएसई में कीर्तिमान स्थापित किया।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में सनबीम स्कूल के मेधावियों छात्र –छात्राओं ने जिले और विद्यालय का नाम किया रोशन

10वीं और 12वीं के छात्रों ने लहराया परचम, कई छात्र–छात्राओं ने किया टश्वप

आजम खान

अयोध्या। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (ब्टैम्) ने हाल ही में 10वीं और 12वीं कक्षा के वार्षिक परीक्षा परिणाम जारी किए, जिसमें छात्रों ने एक बार फिर से अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सफलता का परचम लहराया है। इस वर्ष भी कई छात्र–छात्राओं ने कड़ी मेहनत और समर्पण से बेहतरीन परिणाम हासिल किए, जिससे न केवल अपने विद्यालय का, बल्कि अपने परिवार और शिक्षकों का भी नाम रोशन किया है। 12 में विद्यालय का शतप्रतिशत परीणाम आया जहां 12 में प्रखर सिंह ने 98.8:, आदित्य प्रताप सिंह 98:, प्रतिज्ञा शर्मा 93.2:, अनुभव कुमार दुबे 93.2:, प्रांजल जायसवाल 92.2:, रिद्धिमा मौर्या 92.2:, शेखर सिंह 91.2: अंक अर्जित किए है वहीं 10 में वंश पाण्डेय 95.6:, श्रेयांश द्विवेदी 95.6:, गरिमा राजपूत 95.2:, आर्या सिंह 95:, सेरेना 95: अंक अर्जित किए। विद्यालय के चेयरमैन सोहन लाल यादव निदेशक बृजेश यादव व निदेशिका श्रीमती मेघा यादव और प्रिंसिपल श्रीमती रश्मि भाटिया और शिक्षकों ने छात्रों की इस शानदार उपलब्धि पर बधाई दी और कहा कि यह उनके अथक परिश्रम, दृढ़ निश्चय और मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि ये छात्र भविष्य में भी अपनी मेहनत से उच्च शिखर को छुएंगे। और देश का नाम रोशन करेंगे। मैं सभी छात्र–छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई देती हूं। और सभी छात्र छात्राएं मन लगाकर के पढ़ाई करें और अपने लक्ष्य को प्राप्त करें।

राज्यपाल के भ्रमण की तैयारी शुरू, निराला अपेक्षा ग्रामीण होगा आगमन

लखनऊ का अभिमान

उन्नाव। जनपद में महामहिम राज्यपाल उ0प्र0 श्रीमती आनन्दीबेन पटेल का प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी गौरांग राठी द्वारा कार्यक्रम स्थल निराला प्रेक्षागृह का निरीक्षण किया गया, तथा कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ आवश्यक बैठक की गयी। इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा जानकारी दी गयी कि महामहिम के प्रस्तावित कार्यक्रम के दृष्टिगत निराला प्रेक्षागृह परिसर में नवाचार व जनपद की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी लगायी जायेगी, तथा केन्द्र व राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को लाभान्वित किया जायेगा। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अपनी–अपनी विभागीय तैयारियां पूर्व से ही सुनिश्चित कर ले ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। निरीक्षणध्बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) सुशील कुमार गोंड, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विकास कुमार सिंह, नगर मजिस्टेट राजीव राज, प्रभारी सीडीओध् पीडी तेजवन्त सिंह, प्रभारी मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 हरि नन्दन प्रसाद, जिला विद्यालय निरीक्षक एसपी सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्रीमती संगीता सिंह सहित समस्त जनपद स्तरीय अधिकारी गण उपस्थित रहे।

शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर जिलाधिकारी का फोकस, संतुष्ट फीडबैक में इजाफा

आईजीआरएस, तहसील दिवस व हैल्पलाइन की समीक्षा बैठक में दिए सख्त निर्देश

विष्णु सिकरवार ब्यूरो प्रमुख आगरा

आगरा। जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस, तहसील दिवस एवं हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण के बाद संतुष्ट फीडबैक में सुधार हुआ है, लेकिन अभी इसे और बेहतर करने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों को सजगता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि 9 से 13 मई के बीच शासन ने जनपद स्तरीय 5 शिकायतों और तहसील स्तरीय 30 शिकायतों का फीडबैक लिया, जिनमें सभी शिकायतकर्ताओं ने निस्तारण को गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक बताया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन मामलों में 50: या अधिक फीडबैक नकारात्मक आता है, वहां संबंधित अधिकारी जिम्मेदारी तय करते हुए जांच रिपोर्ट अपलोड करें। उन्होंने कहा कि निस्तारण से पहले अधिकारी शिकायतकर्ता से संवाद करें और आवश्यकतानुसार स्थलीय निरीक्षण भी सुनिश्चित करें।

बैठक में पोर्टलवार, तहसीलवार और विभागवार निस्तारण की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान ही प्रशासन की प्राथमिकता है। समीक्षा बैठक में अपर मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह, अपर नगर आयुक्त सुरेंद्र यादव, अपर जिलाधिकारी (प्रोटोकॉल) प्रशांत तिवारी, प्रशिक्षु आईएएस शिवम कुमार, उप निदेशक कृषि पी.के. मिश्रा, जिला पंचायत राज अधिकारी मनीष कुमार, अर्थ एवं संख्याधिकारी नागेंद्र सिंह, उपायुक्त एनआरएलएम रामायण यादव समेत सभी उप जिलाधिकारी, तहसीलदार व संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

शादी अनुदान योजना का लाभ उठाएं, पुत्री की शादी के लिए ऑनलाइन आवेदन करें

20 हजार रुपये का अनुदान, आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई 2025

विष्णु सिकरवार ब्यूरो प्रमुख आगरा

आगरा। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी विजय लक्ष्मी मौर्या ने जानकारी दी कि पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित शादी अनुदान योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024–25 में आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। यह योजना अन्य पिछड़े वर्ग (अल्पसंख्यक समुदाय को छोड़कर) के गरीब व्यक्तियों के लिए है, जिनकी वार्षिक आय 1.00 लाख रुपये तक हो और जिनकी पुत्री की आयु 18 वर्ष हो और वर की आयु 21 वर्ष हो।

इस योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को 20,000 रुपये का अनुदान दिया जाएगा। आवेदन की प्रक्रिया ऑनलाइन की जाएगी और यह पहले आओ, पहले पाओ के सिद्धांत के आधार पर लागू होगी। आवेदन प्राप्त व जमा करने की अंतिम तिथि 31 मई 2025 निर्धारित की गई है।

आवेदन करने के लिए आवेदक को निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ आवेदन करना होगा –

आय प्रमाण पत्र
पुत्री की आयु प्रमाण पत्र
वर की आयु प्रमाण पत्र
आधार कार्ड से लिंक मोबाइल नंबर
बैंक खाता की छायाप्रति
जाति प्रमाण पत्र
फोटो एवं शादी का कार्ड

यह अनुदान योजना पति की मृत्यु के बाद निराश्रित महिला और दिव्यांगजन आवेदकों को वरीयता प्रदान करेगी। एक आवेदक को अपनी दो पुत्रियों के लिए अनुदान प्राप्त करने का भी लाभ मिलेगा।

वित्तीय वर्ष 2025–26 में इस योजना का लक्ष्य 866 आवेदन प्राप्त करना है। इच्छुक व्यक्तियों को अपनी पुत्री की शादी के लिए अनुदान आवेदन शादी की तिथि से 90 दिन पहले या 90 दिन बाद तक ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। आवेदन उपजिलाधिकारी या खंड विकास अधिकारी कार्यालय में भी जमा किए जा सकते हैं।

ऑनलाइन आवेदन के लिए विभागीय वेबसाइट www-shaadianudan-upsdc-gov-in पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। जनसेवा केंद्र, लोकवाणी केंद्र, साइबर कैफे, या निजी इंटरनेट से भी आवेदन किए जा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय, भवन सं. 760, सेक्टर–14 आवास विकास कालोनी, सिकंदरा, आगरा में संपर्क किया जा सकता है।

आंधी में पैर फिसल कर दीवार से गिरा युवक,मौत

विष्णु सिकरवार ब्यूरो प्रमुख आगरा

आगरा। फतेहपुर सीकरी कस्बा पुलिस चौकी के अंतर्गत बुलंद दरवाजा दरगाह के पीछे शाम छः बजे करीब टहलने के लिए गया युवक आंधी के दौरान दीवार से असंतुलित होकर नीचे गिर पड़ा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। युवक की अचानक से हुई मौत से परिवार में कोहरा मचा हुआ है। घटनाक्रम के अनुसार मंगलवार शाम छः बजे करीब मोहल्ला ऊपर पहाड़ कचहरी निवासी कासिम तीस वर्ष चांद मुहम्मद दरगाह के पीछे टहलने गया हुआ था तभी प्राचीन महल की टूटू फूटी दीवार से अंधी के दौरान असंतुलित होकर नीचे गिर गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। युवक की अचानक हुई मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

सी बी एस ई बोर्ड के घोषित परिणाम मे साईं कॉन्वेंट के सफल छात्रों को फूल माला पहनाकर सम्मानित किया गया।

ब्यूरो चीफ फहीम सिद्दीकी

फतेहपुर बाराबंकी। मंगलवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सी बी एस ई बोर्ड) द्वारा कक्षा 10 व 12 के परीक्षा के परिणाम घोषित किए गए। परीक्षा परिणामों मे कस्बा फतेहपुर के साईं कॉन्वेंट कॉलेज के विद्यार्थियों ने बाजी मारी। साईं ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के प्रबंधक विपिन राठौर व साईं कॉन्वेंट स्कूल की प्रधानाध्यापिका श्रीमती अंजना अग्निहोत्री द्वारा समस्त विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को विद्यालय प्रांगण में फूल माला पहनाकर एवं मिष्ठान खिलाकर सम्मानित किया गया। कक्षा 10 के अंतर्गत आराध्य कुमार गुप्ता ने 94.6 आराध्या पटेल 92.4,ऋषभ वर्मा 90.2, आकृति सिंह 89 एवं सौम्या वर्मा ने 89 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इसी प्रकार कक्षा 12 के अंतर्गत अभिजीत वर्मा ने 85.4, प्रियांशी वर्मा 83.6, अंशिका पटेल 80.2,अक्षरा शर्मा 76.4 एवं अर्पिता वर्मा ने 75.4 अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

सिंचाई बंधु की बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. मंजू भदौरिया ने दिए महत्वपूर्ण निर्देश

विष्णु सिकरवार ब्यूरो प्रमुख आगरा

आगरा। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती डॉ. मंजू भदौरिया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सिंचाई बंधु बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिंचाई विभाग, विद्युत विभाग, नलकूप विभाग, लघु सिंचाई विभाग, वन विभाग, कृषि विभाग और जल निगम के अधिकारियों ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक में सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता ने बताया कि खरीफ 1433 फसली हेतु 73 नहरों की टेलफीड शत–प्रतिशत पूरी की जा चुकी है और 125 तालाबों को भरा गया है। अध्यक्ष महोदया ने ग्राम पंचायतों की भूमि पर तालाब निर्माण हेतु मुख्य विकास अधिकारी को पत्र भेजने के निर्देश दिए। वहीं सिंचाई खंड, हाथरस से आए अवर अभियंता ने 09 नहरों में से 04 नहरों की टेलफीड का कार्य पूर्ण होने की जानकारी दी। डॉ. भदौरिया ने रोस्टर के अनुसार पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। नलकूप विभाग से सहायक अभियंता ने बताया कि 2024–25 में 04 नलकूपों का कार्य पूरा किया जा चुका है, और 303 नलकूपों से सिंचाई की सुविधा दी जा रही है। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2026–26 के लिए 20–25 नलकूपों को फिर से चालू करने की योजना साझा की। वन विभाग ने बताया कि 2025–26 के लिए 51 लाख से अधिक पौधे तैयार किए गए हैं। अध्यक्ष महोदया ने गुणवत्ता सुनिश्चित करने और पौधों की सुरक्षा के लिए उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता ने विजनिश प्लान 2024–25 के तहत 100 केवीए क्षमता वाले ट्रांसफॉर्मरों के 60 प्रतिशत कार्य पूरा होने की जानकारी दी। उन्होंने आगामी कार्यों की योजना भी प्रस्तुत की। वहीं, जल निगम ने पाइपलाइन में आई समस्याओं को सुधारने की प्रक्रिया पर चर्चा की, और डॉ. भदौरिया ने नहरों के डौले को नष्ट कर पाइपलाइन डालने के कार्य को रोकने के निर्देश दिए। अंत में, कृषि विभाग ने किसान सम्मान निधि के 320,000 किसानों को लाभ पहुंचाने की सूचना दी, और 15 ग्राम पंचायतों में मृदा परीक्षण कार्यक्रम की जानकारी दी। डॉ. भदौरिया ने मृदा परीक्षण और बीज वितरण से संबंधित सभी सूचनाएं जल्द उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बैठक में सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे आगामी बैठकों में अपेक्षित जानकारी समय पर प्रस्तुत करें और योजनाओं को मानकों के अनुरूप पूरा करें। बैठक के अंत में श्रीमती मंजू भदौरिया ने सभी का धन्यवाद करते हुए बैठक की समाप्ति की घोषणा की।

भगवान बुद्ध के उपदेश आज भी प्रासंगिक : प्रणव

सीपीएमजी ने बुद्ध की शिक्षा पर जारी किया विशेष आवरण एवं विरूपण

लखनऊ। भारतीय डाक विभाग के तत्वावधान में आज लखनऊ जीपीओ में यूपी परिमंडल द्वारा बुद्ध पूर्णिमा के पवित्र अवसर पर उनकी शिक्षाओं को आत्मसात करने के लिए "विशेष आवरण एवं विशेष विरूपण" जारी किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि सीपीएमजी प्रणव कुमार ने विशिष्ट अतिथि पोस्टमास्टर जनरल सुनील कुमार राय ,निदेशक डाक सेवाएं लखनऊ आनंद कुमार सिंह,निदेशक डाक सेवायें गाजियाबाद प्रवीण कुमार एवं भन्ते ज्ञानालोक, अध्यक्ष महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया बुद्ध विहार की उपस्थिति में "बुद्ध पूर्णिमा" के पवित्र अवसर पर "विशेष आवरण एवं विशेष विरूपण" का अनावरण एवं विमोचन किया।मुख्य अतिथि प्रणव कुमार चीफ पोस्टमास्टर जनरल यूपी परिमंडल ने सभा को संबोधित करते हुए आज के परिप्रेक्ष्य के अनुसार बौद्ध धर्म की शिक्षाओं को आत्मसात करने का आह्वाहन किया गया। उन्होंने कहा कि महात्मा बुद्ध के उपदेश और सुझाये गये मार्ग समाज को दिशा देते हैं।भगवान बुद्ध की शिक्षा आज भी प्रासंगिक और समाज को प्रगति की राह पर ले जाने वाली है। समारोह में विशिष्ट अतिथि सुनील कुमार राय ने देश के प्रथम जीवित विचारक भगवान बुद्ध का स्मरण किया और उनके राजकुमार से गया प्राप्ति तक के सफर का भी उल्लेख किया स भारतीय डाक विभाग द्वारा कल जीपीओ में "बुद्ध पूर्णिमा" के पवित्र अवसर पर एक विशेष डाक टिकट प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत "भगवान बुद्ध और बौद्ध विरासत" से सम्बंधित टिकट एवं अन्य डाक टिकट संग्रह सामग्री प्रदर्शित की गयी । आज आयोजित समारोह में प्रवर अधीक्षक डाकघर गाजियाबाद मण्डल, चीफ पोस्टमास्टर,लखनऊ जीपीओ सहायक निदेशक यूपी परिमंडल एवं मुख्यालय परिक्षेत्र लखनऊ तथा डाक कर्मी उपस्थित रहें।

आसरा द हेल्पिंग हैंड्स ने ताजे फलों से जानवरों का करवाया भंडारा

लखनऊ। राजधानी में पहले बड़े मंगल के अवसर पर शहर भर में भंडारे का आयोजन हुए। शहर के विभिन्न मंदिरों में पूजा–अर्चना के लिए भक्तों की लंबी कतारें थीं। इंसानों के साथ पशु–पक्षियों के लिए भी भंडारा का आयोजन किया गया है। आसरा द हेल्पिंग हैंड्स ट्रस्ट के द्वारा कुकरैल और बक्शी के तालाब पर एनिमल्स के लिए विशेष भंडारे का आयोजन किया गया। संस्था की अध्यक्ष चारु ने कहा की हमारे लिए हनुमान भक्ति का अर्थ है दया , सेवा और जीव प्रेम। इंसानों के साथ जानवरों को भी भोजन और पानी की आवश्यकता होती है। इस बड़े मंगल पर बंदरों और पशु पक्षियों के लिए भंडारे का आयोजन किया जिनमें हनुमान जी स्वयं जीवित रूप से वास करते हैं। अगर यह मानने लग जाए की सभी जानवरों के अंदर ईश्वर का वास होता है तो हम अपना और उनका जीवन आसान कर देंगे। चारु ने कहा कि ईश्वर अपने द्वारा बनाए हुए किसी भी चीज का अपमान होते हुए नहीं देख सकता। मगर आज इंसान बेजुबान जानवरों का बहुत अपमान करते हैं। बहुत सारे लोग जानवरों को समाज से बहिष्कार करने का प्रयास करते हैं जो पूरी तरीके से गलत है। बड़े मंगल पर हम संकल्प लें कि इन जानवरों को वही सम्मान देंगे जो हम अपने लिए चाहते हैं। हनुमान जी पूरी सृष्टि के संरक्षक हैं।

सीबीएसई परीक्षा परिणाम में एल.पी. एस. के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

लखनऊ। सी.बी.एस.ई.द्वारा कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए, जिसमें लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एंड कॉलेजेज के विद्यार्थियों ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का नाम गौरवान्वित किया। इस वर्ष कक्षा 12वीं में कुल 1207 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें सीतापुर शाखा के वंश शुक्ला ने 99.20: अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। गोमती नगर शाखा की अनुभूति वर्मा ने 97.80:, विद्युत शर्मा एवं अभिनव पांडे ने 97. 60: अंक अर्जित किए। आम्रपाली योजना शाखा की अनुष्का गौतम एवं आयशा मोहम्मद खान ने 96.80:, जबकि वृंदावन शाखा की आकांक्षा तिवारी ने भी 96.80: अंक प्राप्त किए। कक्षा 10वीं में कुल 1203 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिसमें आम्रपाली योजना शाखा की मेंनहा सिंह ने 98.40: अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान हासिल किया। गोमती नगर शाखा की उनेजा शकील ने 98:, अंशुमान सिंह ने 97.60:, आम्रपाली योजना के मोहम्मद आजम अल्वी ने 95.80:, और अनिमेष मिश्रा ने 95.80: अंक प्राप्त किए। इस उपलब्धि पर संस्थान के चेयरमैन एवं सांसद डॉ. एस. पी. सिंह ने सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं प्रधानाचार्यों को बधाई देते हुए कहा, यह सफलता बच्चों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। यह समय बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की ओर ध्यान केंद्रित कर तैयारी करने का है। वे देश का भविष्य हैं और उन्हें शिक्षा के साथ–साथ संस्कार, मूल्यों और राष्ट्रभक्ति से भी परिपूर्ण होना चाहिए। लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एंड कॉलेजेज सदैव से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नैतिक मूल्यों और समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है, और यह परिणाम उसी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

लाटूश रोड–मोहन मार्केट में चलेगा अभियान

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के लाटूश रोड और मोहन मार्केट में बिजली के खंभों पर फैले इंटरनेट तारों का जाल हटेगा। अमीनाबाद के 33/11 केवी सब स्टेशन से जुड़े इन इलाकों में गुरुवार को बिजली विभाग एक बड़ा अभियान चलाने जा रहा है। बिजली विभाग के मुताबिक, इन खंभों पर इंटरनेट कंपनियों ने बिना किसी योजना के तार लटका दिए हैं। इससे आए दिन चिंगारी और आग लगने की घटनाएं हो रही हैं। साथ ही, बिजली कर्मचारियों को खंभों की मरम्मत और रखरखाव में परेशानी होती है। बिजली विभाग ने एयरटेल और जिओ फाइबर को साफ कह दिया है कि वे 15 मई से पहले अपने इंटरनेट के तारों को ठीक कर लें। अगर ऐसा नहीं किया गया तो बिजली विभाग खुद केबल काट देगा और इसकी पूरी जिम्मेदारी कंपनियों की होगी।

सांसद तनुज पुनिया ने दी पत्रकार के खिलाफ एफआईआर के लिए हुसैनगंज थाने में तहरीर

लखनऊ। विगत 10 मई को डीडी न्यूज चौनल के पत्रकार अशोक श्रीवास्तव द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष राज्यसभा मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ प्रचारित खबर से कांग्रेस कार्यकर्ता खफा हैं। कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने हुसैनगंज थाने में पत्रकार के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया है। काग्रेस पाटी ने आतंकवाद के खिलाफ उठाए गये कदमों में केन्द्र सरकार को अपना पूरा समर्थन दिया है। टीवी शो में एकता का संदेश देने के बजाए देश में नफरत फैलाई जा रही है। ये कदम राजनैतिक लाभ हासिल करने की साजिश को भी दर्शाता है जिससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं में काफी रोष है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष, सांसद तनुज पुनिया ने लखनऊ के हुसैनगंज थाने में बीएनएस, 2023 की धारा 192,196,197 353 और 356 एवं सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्राविधानों के तहत सम्बंधित पत्रकार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने हेतु प्रार्थना पत्र दिया। इस मौके पर सांसद तनुज पुनिया के साथ निवर्तमान प्रदेश महासचिव मुकेश सिंह चौहान, जिला कांग्रेस कमेटी लखनऊ के अध्यक्ष रूद्र दमन सिंह, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ शहजाद आलम, महिला कांग्रेस मध्यजोन की अध्यक्ष श्रीमती ममता चौधरी, कै वंशीधर मिश्रा, प्रदेश प्रवक्ता सचिन रावत, डॉ रिचा शर्मा, अरशी, इस्लाम अली, अजय वर्मा, मो नोमान, रामचन्द्र आदि प्रमुख रूप उनके साथ थाने हुसैनगंज पहुंचे।

कार्यदायी संस्था पर 25,000 का जुर्माना, अवैध ट्रालियॉ जब्त

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ द्वारा स्वच्छता व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए निरंतर निरीक्षण और सख्त कार्रवाई की जा रही है। जोन–06 के जोनल अधिकारी मनोज यादव द्वारा मंगलवार को वार्ड न्यू हैदरगंज द्वितीय के मलपुर चौकी पक्काबाग से न्यू हैदरगंज पुलिया तक सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि मार्ग के दोनों ओर कूड़ा, झाड़ियां तथा नालियों में पॉलीथीन एवं सिल्ट जमा थी। इससे यह स्पष्ट हुआ कि कई दिनों से इस क्षेत्र में नियमित सफाई नहीं की गई। मार्ग पर नियुक्त सफाईकर्मी भी अनुपस्थित पाया गया। इससे पहले भी जोनल अधिकारी द्वारा कार्यदायी संस्था एस.एस. सर्विसेस को उक्त मार्ग को साफ रखने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन आदेशों का पालन नहीं किया गया।इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए एस.एस. सर्विसेस पर अंतिम चेतावनी के साथ 25,000 का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि यदि भविष्य में पुनः निरीक्षण के दौरान किसी भी क्षेत्र में गंदगी पाई गई, तो संस्था को वार्ड से कार्यमुक्त करने हेतु नगर आयुक्त को संस्तुति पत्र भेजा जाएगा। जोनल अधिकारी के आदेश के क्रम में वार्ड सआदतगंज में स्वच्छता एवं खाद्य निरीक्षक तथा लखनऊ स्वच्छता अभियान की टीम द्वारा एक विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत सरीपुरा, कनक सिटी, सोना भट्टा सहित अन्य क्षेत्रों में अवैध रूप से चल रही रिक्शा ट्रालियों एवं ठेलियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान कुल 4 अवैध रिक्शा ट्रालियां जब्त की गईं।

नगर निगम की 400 से अधिक भंडारों पर रही निगरानी

लखनऊ। बड़े मंगल के अवसर पर नगर निगम लखनऊ ने "स्वच्छ लखनऊ, सुंदर लखनऊ" अभियान को नई ऊंचाई देते हुए विशेष सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की। यह संपूर्ण अभियान माननीय महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त श्री गौरव कुमार के निर्देशन में संचालित हुआ। नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वयं विभिन्न क्षेत्रों में जाकर साफ–सफाई की समीक्षा की और जनता को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव ने जोन–4 में विराम खंड–5 स्थित जीवन प्लाजा और आसपास के भंडारों का निरीक्षण किया। उन्होंने भंडारों के आयोजकों और क्षेत्रीय कर्मचारियों को साफ–सफाई बनाए रखने और नियमित कचरा उठान की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इसी क्रम में नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.के. श्रीवास्तव ने हजरतगंज चौराहे पर दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर तथा जनपथ मार्केट क्षेत्र का निरीक्षण किया। जनपथ में सीवर ओवरफ्लो की समस्या को तुरंत टीम बुलाकर ठीक करवाया गया। इसके बाद परिवर्तन चौक पर लगे भंडारे में पब्लिक टॉयलेट और कूड़ा निपटान हेतु आरसी बिन की व्यवस्था कराई गई। हनुमंत धाम मंदिर का निरीक्षण भी इसी क्रम में हुआ।नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बताया कि नगर निगम के कंट्रोल रूम से शहर भर में लगे 400 से अधिक भंडारों की सफाई की मॉनिटरिंग की गई। अधिकारियों और कर्मचारियों की टीमों ने समर्पित भाव से कार्य करते हुए दिनभर क्षेत्रवार निगरानी रखी। इस बार नगर निगम ने "जीरो वेस्ट बड़े मंगल" की ओर कदम बढ़ाते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक और संगठित कचरा प्रबंधन पर विशेष जोर दिया। सभी भंडारा आयोजकों से अपील की गई कि वे केवल बायोडीग्रेडेबल सामग्री का प्रयोग करें और दोना–पत्तल, गिलास आदि को निर्धारित डस्टबिन में ही फेंकवाएं। निगम की ओर से नागरिकों से विशेष अपील की गई है कि वे भंडारा खाने के बाद अपने दोना–पत्तल व अन्य कचरे को डस्टबिन में ही डालें। सड़क, नालियों या सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाना न केवल स्वच्छता अभियान के विरुद्ध है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है।नगर निगम ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में "जीरो वेस्ट इवेंट्स" को बढ़ावा दिया जाएगा और आयोजनों में पर्यावरणीय जिम्मेदारियों का पालन अनिवार्य किया जाएगा।

निजीकरण की प्रक्रिया असंवैधानिक, आयोग पहुंचा परिषद

कंपनियों के एसेट में छेड़छाड़ व बदलाव नियमों के विपरीत

लखनऊ। प्रदेश की बिजली कंपनियों द्वारा वार्षिक राजस्व आवश्यकता स्वीकार किए जाने और जून में बिजली दर की सुनवाई शुरू होने के पहले उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने आज विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार व सदस्य संजय कुमार सिंह से मुलाकात कर एक लोकमहत्व प्रस्ताव दाखिल किया। प्रस्ताव में परिषद की तरफ से कहा गया कि निजीकरण की प्रक्रिया पर अभिलंब रोक लगाई जाए। उपभोक्ता परिषद ने अपनी लोक महत्व प्रस्ताव में यह मुद्दा उठाया कि प्रदेश की सभी बिजली कंपनियों मध्यांचल पूर्वांचल दक्षिणांचल पश्चिमांचल व केस्को सहित नोएडा पावर कंपनी की वार्षिक राजस्व आवश्यकता वर्ष 2025– 26 सहित ,ट्रूआप याचिका सहित एपीआर स्वीकार किया गया है। कानूनन सभी बिजली कंपनियों ने वर्ष 2025–26 के लिए अपना व्यवसाय करने हेतु अपने अपने आय व्यय का लेखा–जोखा आयोग के सामने प्रस्तुत किया है। विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 61 62 व 64 व 65 के तहत रेगुलेटरी फ्रेमवर्क के तहत पूरी प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। वार्षिक राजस्व आवश्यकता स्वीकार किए जाने के बाद विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 64 (3) के तहत 120 दिन में जनता व उपभोक्तावो से प्राप्त आपत्तियों व सुझावों के बाद बिजली दर की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा। परंतु बड़े दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ रहा है कि उत्तर प्रदेश की पांच बिजली कंपनियों में से दो बिजली कंपनियां दक्षिणांचल व पूर्वांचल के निजीकरण पर भी पावर कारपोरेशन ने बिना नियामक आयोग के अनुमति के प्रक्रिया चालू कर दी है। एक असंवैधानिक तरीके से कंसलटेंट ग्रांट थॉर्नटन को नियुक्त किया है । जिस पर अमेरिका रेगुलेटर द्वारा पेनल्टी लगाई गई खुलासा होने के बाद जिसे आज तक ब्लैक लिस्ट नहीं किया गया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर लगभग 33122 करोड़ सर प्लस है। जिसमें से दक्षिणांचल व पूर्वांचल के उपभोक्ताओं का लगभग 16 000 करोड़ सर प्लस निकलेगा। आने वाले समय में बिजली कंपनियां बिक जाएगी तो इस सर प्लस का क्या होगा। ऐसे में वर्तमान वित्तीय वर्ष में या निजीकरण नहीं हो सकता और साथ ही निजीकरण की पूरी प्रक्रिया असंवैधानिक है। इसलिए आयोग को रेगुलेटरी फ्रेमवर्क के तहत तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए। श्री वर्मा ने कहा बिना नियामक आयोग की अनुमति के निजीकरण की प्रक्रिया पावर कारपोरेशन ने गलत तरीके से चालू किया। इसके संबंध में उपभोक्ता परिषद पहले ही विद्युत नियामक आयोग को अवगत करा चुका है। पावर कॉरपोरेशन की आरएफपी पर ध्यान दें तो 120 दिन के अंदर टेंडर प्रक्रिया पूरी करके कैबिनेट का अप्रूवल ले लिया जाएगा। यह आपस में विरोधाभासी है। जब प्रदेश की बिजली कंपनियों को वित्तीय वर्ष 2025– 26 के लिए व्यवसाय करना है। तो इस बीच मे फिर निजीकरण की प्रक्रिया पूरी तरह उपभोक्ताओं के साथ धोखा और रेगुलेटरी फ्रेमवर्क का खुला उल्लंघन है।

संक्षिप्त खबरें

रुद्राक्ष फाउंडेशन ने कराया भंडारा डिप्टी सीएम ने बांटा प्रसाद

लखनऊ। ज्येष्ठ महीने के बड़े मंगल पर लखनऊ में भंडारे की परंपरा सैकड़ों साल पुरानी है। पहले मंगलवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भंडारे का आयोजन किया गया है। एनेक्सी तिराहे पर रुद्राक्ष फाउंडेशन द्वारा भंडारा कराया गया। भंडारे में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने हिस्सा लिया। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने हनुमान भक्तों में प्रसाद वितरण किया। उन्होंने कहा–यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि बजरंगबली के नाम का प्रसाद बांट रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार संस्कृति और लोगों की भावनाओं को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। भंडारे के माध्यम से लोगों का पेट भरने का काम किया जाता है। इस भीषण गर्मी में लोग शीतल जल और शरबत पी रहे हैं। यह हमारी परंपरा की देन है। इस अवसर पर एडवोकेट पंकज कुमार दीक्षित, अनिल अवस्थी, मुकेश श्रीवास्तव और हेमंत तिवारी समेत बड़ी संख्या में पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। पंकज कुमार दीक्षित ने कहा कि यह हम लोगों का सौभाग्य है कि भंडारे का आयोजन कर रहे हैं। उन्होंने कहा आज भंडारा कराने वाले और इसका प्रसाद ग्रहण करने वाले दोनों ही पर हनुमान जी की कृपा बरस रही है।

जूनियर एडेड शिक्षक अभ्यर्थियों का हंगामा,शिक्षा मंत्री का आवास घेरा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास का घेराव किया । जूनियर एडिट शिक्षक भर्ती 2021 पूरी करने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने जमकर नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन किया। नियुक्ति पत्र की मांग को लेकर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए अभ्यर्थियों ने शिक्षा मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी किया। शिक्षा मंत्री झूठ बोलना बंद करो, शिक्षा मंत्री हाय–हाय के नारे लगाये। प्रदर्शन कर रहे हैं अभ्यर्थी मुकेश कुमार ने कहा कि 4 सालों से हम लोग संघर्ष कर रहे हैं मगर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। 2021 में जूनियर एडेड शिक्षक भर्ती निकली थी। 4 साल से हम लोग लगातार संघर्ष कर रहे हैं। पूरे प्रदेश में लगभग 42000 अभ्यर्थी हैं जो नियुक्ति पत्र की मांग को लेकर सरकार की तरफ उम्मीद भारी नजरों से देख रहे हैं। अभ्यर्थी ने बताया कि 17 अक्टूबर 2021 को प्रदेश भर में परीक्षा कराई गई जिसमें लगभग 3 लाख छात्र शामिल हुए थे।

सेवानिवृत्त पुलिस उपनिरिक्षक की मौत, अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

लखनऊ। राजधानी में एक सेवानिवृत्त पुलिस उपनिरिक्षक की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। मृतक की पहचान अवधेश बहादुर मौर्य के रूप में हुई है। वे 2021 में पुलिस विभाग से उपनिरिक्षक पद से सेवानिवृत्त हुए थे। घटना 12 अप्रैल की सुबह 4 बजे की है। अवधेश बहादुर मौर्य अपने घर से टहलने के लिए निकले थे। बुद्धेश्वर भूहर पुल पर एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। घायल अवस्था में उन्हें मेडिकल कॉलेज ट्रामा सेंटर ले जाया गया। वहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। मृतक के पुत्र जितेंद्र कुमार मौर्य ने पारा कोतवाली में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। जितेंद्र अशोक विहार, आलमनगर, लखनऊ के निवासी हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एलयू रसायन विभाग में मंगल भंडारे में 6000 लोगों ने प्रसाद पाया

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय एलयू के रसायन विभाग में मंगल भंडारे की 87 साल पुरानी परंपरा जारी है। 13 मई 2025 को आयोजित भंडारे में 6000 से अधिक लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने पूजा–अर्चना के साथ भंडारे का शुभारंभ किया। उन्होंने खुद श्रद्धालुओं को बूंदी और आलू–पूड़ी का प्रसाद वितरित किया। प्रसाद वितरण का क्रम पूरे दिन चलता रहा। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, छात्र और कर्मचारी कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रो. मनुका खन्ना समेत रसायन विभाग के सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी की। रसायन विभाग के शिक्षक, कर्मचारी और छात्रों ने मिलकर कार्यक्रम का सफल संचालन किया। कुलपति प्रो. राय ने कहा कि इस तरह के आयोजन सामाजिक समरसता और भाईचारा बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि यह भंडारा लखनऊ की गंगा–जमुनी तहजीब और विश्वविद्यालय की समृद्ध परंपरा को जीवंत रखे हुए है। उन्होंने छात्रों की सेवा भावना की सराहना भी की।

गौरी गांव में नगर निगम ने 6 करोड़ की जमीन करवाई कब्जा मुक्त

लखनऊ। नगर निगम ने गौरी गांव में अवैध कब्जे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपए की सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराया। यह अभियान नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव द्वारा गठित विशेष टीम ने चलाया। ग्राम गौरी स्थित गाटा संख्या 1003 (0.347 हेक्टेयर) और 1004 (0.026 हेक्टेयर) की जमीन पर कुछ प्रॉपर्टी डीलर अवैध प्लॉटिंग कर रहे थे। नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी मशीन की मदद से निर्माण ढहाए और जमीन को कब्जा मुक्त कराया। अधिकारियों के अनुसार, कब्जा मुक्त कराई गई 0.373 हेक्टेयर भूमि की बाजार कीमत करीब 6 करोड़ 3 लाख रुपए आंकी गई है। इस जमीन पर अवैध तरीके से प्लॉट बनाकर बेचने की तैयारी चल रही थी, जिससे सरकारी संपत्ति का नुकसान हो रहा था। कार्रवाई के दौरान कुछ स्थानीय लोगों ने विरोध जताया, लेकिन प्रशासन ने शांति और संयम से स्थिति को संभाला। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने लोगों को समझाया और कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई को अंजाम दिया।

हूटर बजाने से रोकने पर भड़के सफारी सवार युवकों ने दरोगा से की हाथापाई

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के सरोजनी नगर में एक दरोगा को हूटर बजाने से रोकना महंगा पड़ गया। मंगलवार दोपहर करीब 2रू30 बजे सरोजनी नगर थाने के उपनिरीक्षक अंकित बालियान अमौसी गांव स्थित पुलिस बूथ पर तैनात थे। इसी दौरान एक सफारी चालक लगातार हूटर बजाने लगा। उपनिरीक्षक ने जब चालक को रोका और पूछताछ की। शराब के नशे में धुत चालक और उसका साथी भड़क गया। दोनों ने दरोगा से गाली–गलौज की और हाथापाई शुरू कर दी। इस दौरान दरोगा की वर्दी का बैज भी टूट गया। आरोपी सफारी चालक की पहचान गंगानगर निवासी शोभित कश्यप के रूप में हुई। उसका साथी अमौसी का रहने वाला शिवम रावत है।

पुलिस मुठभेड़ में सर्राफा व्यापारी को लूटने वाला बदमाश घायल, लूट का माल बरामद

बांदा। जनपद में पुलिस ने एक शातिर लुटेरे को मुठभेड़ में घायल कर गिरफ्तार किया है। गिरवां थाना क्षेत्र के मकरी पुलिया के पास हुई इस मुठभेड़ में बदमाश आमिर पुत्र शेरखान को पैर में गोली लगी है।नरैनी सीओ अंबुजा त्रिवेदी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान दो बाइक सवार संदिग्धों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश घायल हुआ, जबकि दूसरा फरार हो गया। घायल बदमाश की पहचान नरैनी थाना क्षेत्र के हड़हाकबौली गांव निवासी आमिर के रूप में हुई है। उसके पास से 315 बोर का तमंचा, कारतूस, लूट के जेवर, 16,500 रुपए नकद और मोटरसाइकिल बरामद हुई है। बदमाश को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आमिर पर विभिन्न थानों में लूट के एक दर्जन मुकदमे

दर्ज हैं। इसी बदमाश ने 12 अप्रैल को अपने साथी के साथ गिरवा थाना क्षेत्र के बछेही में सर्राफा कारोबारी मिथलेश सोनी और उनके पुत्र पंकज को लूटा था। इस दौरान पंकज को गोली मारकर घायल भी किया था। इस मामले में एसपी पलाश बंसल का कहना है कि 12 अप्रैल की घटना में लूट की वारदात में घायल बदमाश आमिर शामिल था जिसे गिरफ्तार किया गया है और उसके कब्जे से लूट का माल भी बरामद किया गया है, उसके दूसरे साथी के लिए पुलिस टीमें में रवाना कर दी गई है जल्द ही इस पूरे लुटेरों के गैंग को गिरफ्तार किया जाएगा।

कोंच में शहीदों को श्रद्धांजलि,कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जलाए दीप, 2 मिनट का मौन

उरई/जालौन। भारत–पाक सीमा पर आतंकी हमलों में शहीद हुए वीर जवानों और निर्दोष नागरिकों की स्मृति में जालौन जिले की कोंच कांग्रेस नगर इकाई द्वारा एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम सरोजिनी नायडू पार्क स्थित शहीद स्थल पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार ष्एक दीपक शहीदों के नामष अभियान के तहत संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मोमबत्ती जलाकर की गई, जिसमें कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने देश की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले जवानों और आतंकवाद का शिकार हुए 28 निर्दोष नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। दो मिनट का मौन रखकर सभी ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की और उनके बलिदान को याद किया। नगर कांग्रेस अध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी ने इस अवसर पर कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देश के

अनेक वीर सैनिक और आम नागरिक शहीद हुए। आज प्रदेश भर में कांग्रेस पार्टी के आवाहन पर यह कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। हम सब यहां एकत्र होकर उन सभी शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए उपस्थित हुए हैं। वरिष्ठ कांग्रेसी रामकिशोर पुरोहित ने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए प्राण देने वाले जवानों की शहादत को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा, ष्देश की सुरक्षा और आतंकवाद के खात्मे के लिए सशक्त राजनीतिक इच्छाशक्ति जरूरी है। मैं उन सभी सैनिकों को नमन करता हूं जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता नारायण दीक्षित, अवधेश कुमार अवस्थी, अहमद सरताजुद्दीन, बबलू शर्मा सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए।

हाउस लोन से परेशान व्यक्ति ने दी जान

उरई/जालौन। जालौन के उरई कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक व्यक्ति का शव खेत में मिला। घटना उरई–जालौन रोड स्थित मुस्कान हॉस्पिटल के पीछे सत्य साईं आईटीआई कॉलेज के पास की है। आसपास के किसानों ने सुबह पुलिस को शव मिलने की सूचना दी। कोतवाली प्रभारी अरुण कुमार राय टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शव की तलाशी में कीटनाशक दवा की डिब्बी मिली। इससे प्रारंभिक जांच में आत्महत्या का मामला सामने आया। मृतक की पहचान सुनील कुमार द्विवेदी (52) के रूप में हुई। वह मुस्कान हॉस्पिटल के सामने सुशील नगर में रहते थे। मृतक के पुत्र वैभव द्विवेदी ने शव की पहचान की। वैभव ने बताया कि उनके पिता मूल रूप से ग्राम हरकौती, थाना सिरसाकलार के निवासी थे। सुनील कुमार मंगलवार सुबह 6–7 बजे के बीच घर से निकले थे।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

बांदा। जिले के कमासिन कस्बे में एक दर्दनाक हादसा सामने आया। किराना व्यापारी का 30 वर्षीय बेटा आर्यन गुप्ता उर्फ रामू करंट की चपेट में आ गया। वह पड़ोसी की दुकान में लगी लोहे की सीढ़ी से उतरते समय करंट की चपेट में आ गए। घटना के समय आर्यन अपने घर से लघुशंका के लिए निकले थे। उन्होंने पत्नी सुकीर्ति को यह बताकर घर से निकले थे। कुछ देर बाद पड़ोसियों ने देखा कि वह कल्याण यादव की दुकान के पास लगी लोहे की सीढ़ी के निकट बेहोश पड़े हैं। पिता अखिलेश गुप्ता को सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत बेटे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने आर्यन को मृत घोषित कर दिया।आर्यन अपने पिता की किराना दुकान पर काम करते थे। उनकी शादी दो साल पहले हुई थी। उनकी पत्नी सुकीर्ति इस समय गर्भवती हैं। इस हादसे ने एक युवा परिवार को तबाह कर दिया है।

मंगल बाजार में सर्राफा दुकान से चेन चोरी, ग्राहक बनकर आया युवक, चेन लेकर भागा

बस्ती। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र स्थित मंगल बाजार में मंगलवार दोपहर 2.51 बजे एक सर्राफा दुकान से चोरी की घटना सामने आई। बिंदेश्वरी प्रसाद जगदंबा प्रसाद सर्राफ की दुकान पर एक युवक ग्राहक बनकर पहुंचा। उसने दुकानदार से सोने की चेन दिखाने को कहा। दुकानदार ने जैसे ही चेन दिखाई, युवक उसे लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय व्यापारियों ने पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस टीम सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान कर रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आरोपी पूरे आत्मविश्वास के साथ दुकान में आया था। उसकी हरकतों से किसी को संदेह नहीं हुआ। उसने दुकानदार से कई चेन मंगवाईं। फिर मौका देखकर एक चेन लेकर भाग निकला। व्यापारियों ने बाजार क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर नाराजगी जताई है। दिन के समय हुई इस चोरी से पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं।

29 करोड़ की सड़क का शिलान्यास,हुजूरपुर से कुंडासर मार्ग का सुदृढ़ीकरण और चौड़ीकरण होगा

बहराइच। जनपद के पयागपुर विधायक सुभाष त्रिपाठी ने हुजूरपुर से कुंडासर मार्ग का शिलान्यास किया। यह सड़क सिरौला होते हुए बनेगी। इस परियोजना की लागत 29 करोड़ रुपए है। विधायक ने हवन–पूजन और शिलापट अनावरण के बाद कहा कि इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि सिरौला घाट का पुल भी अब सार्थक होगा। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख संदीप सिंह, विधायक प्रतिनिधि निशंक त्रिपाठी और भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी महेंद्र पाठक मौजूद थे। जिला उपाध्यक्ष रण विजय सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर जिला मंत्री हरेंद्र विक्रम सिंह, मंडल अध्यक्ष राम निवास निषाद, दुर्गेश सिंह और पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल सिंह समेत कई भाजपा कार्यकर्ता और पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एएमयू के बेगम सुल्तान जहां हॉल में वार्षिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नइमा खातून ने बेगम सुल्तान जहां हॉल की छात्राओं की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि छात्राओं को न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता बल्कि व्यक्तित्व विकास में भी आगे बढ़ना चाहिए और हॉल एवं विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। प्रो. नइमा खातून, जो इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं, ने हॉल की वार्षिक पत्रिका "ओडीसे 2025 – इम्ब्रेसिंग द जर्नी" का विमोचन किया, जिसका संपादन एवं डिजाइन मिस लामा ताज द्वारा किया गया था। उन्होंने बेगम सुल्तान जहां मेमोरियल वूमेन्स इंटर–हॉल वॉलीबॉल टूर्नामेंट की ट्रॉफियों का भी अनावरण किया, जिसमें बीएसजे हॉल विजेता और बीएन हॉल उपविजेता रहा। इस आयोजन में विशेष अतिथि के रूप में एएमयू के प्रो–वाइस चांसलर प्रो. मोहम्मद मोसिन खान तथा छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. रफीउद्दीन उपस्थित रहे तथा उन्होंने हॉल प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम की शुरुआत हानिया खान द्वारा दिए गए स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने हॉल की ऐतिहासिक विरासत पर प्रकाश डाला और सर सैयद अहमद खान एवं शेख मोहम्मद अब्दुल्ला जैसी महान शख्सियतों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार रोककर परिवार पर हमला, बेटे पर की फायरिंग, पिता–माता को भी पीटा

बस्ती। जिले के कलवारी थाना क्षेत्र में स्थित धोबहट गांव में एक परिवार पर हमले का मामला सामने आया है। मिश्रीलाल ने पुलिस अधीक्षक से न्याय की मांग की है। घटना 12 मई की शाम की है। मिश्रीलाल अपनी पत्नी विमला देवी और बेटे हरिओम के साथ मरहा गांव से लौट रहे थे। कड़बड़वा के पास गांव के कुछ लोगों ने अपनी कार से उनका रास्ता रोक लिया। आरोपियों के पास हथियार, डंडे और लोहे के पाइप थे। आरोपियों ने हरिओम को घेर लिया। वे पुराने विवाद को लेकर सुलह का दबाव बना रहे थे। जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली–गलौज की और मारपीट शुरू कर दी। जब मिश्रीलाल और विमला देवी ने बीच–बचाव की कोशिश की, तो उन्हें भी पीटा गया। मारपीट में हरिओम के चेहरे से खून निकलने लगा। वह जान बचाने के लिए भागने लगा। इस दौरान आरोपियों ने उस पर गोली चलाई। गोली बगल से निकल गई। घटना से इलाके में दहशत फैल गई। राहगीर डर के मारे दूसरे रास्तों से जाने लगे। पीड़ित का कहना है कि हमलावरों ने पुलिस में शिकायत करने पर बुरे अंजाम की धमकी भी दी है।

रेप के आरोपी को पुलिस ने दबोचा,मुठभेड़ में पैर में गोली लगी

बस्ती। जनपद में पुलिस ने एक नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। आरोपी दीपक गौड़ बभनगांव मोहल्ले का रहने वाला है। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन के अनुसार, आरोपी की तलाश में कई टीमें लगाई गई थीं। सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया था। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी मुल घाट के पास छिपा हुआ है। पुलिस टीम को देखते ही उसने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली आरोपी के पैर में लगी। घटना 12 मई की है। आरोपी ने कटेश्वर पार्क के पास से एक 4 वर्षीय बच्ची को उठा लिया था। बच्ची उस समय अपनी मां के पास सो रही थी। आरोपी उसे झाड़ियों में ले गया और दुष्कर्म किया।

चलती थार में लगी आग,गाड़ी में बैठे सभी लोगों ने कूदकर बचाई जान

बस्ती। जिले के कलवारी थाना क्षेत्र के चमनगंज चौराहे पर सोमवार रात एक थार गाड़ी में अचानक आग लग गई। गाड़ी में सवार सभी लोग समय रहते कूदकर बाहर निकल आए, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। चौराहे के पास से गुजर रही थार गाड़ी से अचानक धुआं निकलने लगा। कुछ ही पलों में आग की लपटें चारों ओर फैल गईं। गाड़ी में सवार लोगों ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए गाड़ी से छलांग लगा दी। स्थानीय लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। कलवारी थाना पुलिस और दमकल की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। गाड़ी पूरी तरह जलकर क्षतिग्रस्त हो गई। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। फायर ब्रिगेड अधिकारी के अनुसार, समय पर सूचना मिलने से आग को फैलने से रोका जा सका। घटना में किसी व्यक्ति को कोई चोट नहीं आई।

वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, हवलदार की मौत, साथी जिला अस्पताल रेफर

बहराइच। बहराइच–गोंडा मार्ग पर विशेश्वरगंज इलाके में एक अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार हवलदार की मौके पर ही मौत हो गई। उनके साथी प्रेमनाथ गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के समय ग्राम खारिहा के ककरा मोहम्मदपुर निवासी प्रेमनाथ और हवलदार बाइक से जा रहे थे। विशेषरगंज के पास पहुंचते ही किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर थाना प्रभारी ज्ञान सिंह पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। घायलों को तुरंत स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। चिकित्सकों ने हवलदार को मृत घोषित कर दिया। प्रेमनाथ की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है।

ज्येष्ठ माह के पहले मंगलवार पर बजरंगबली की आराधना, कई जगह भंडारे

बहराइच। जिला में ज्येष्ठ माह के पहले मंगलवार को बजरंगबली की विशेष आराधना की जा रही है। मंदिरों में सुबह से ही सुंदरकांड और पवन सूत की पूजा का आयोजन किया गया। दोपहर से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में भंडारे शुरू हो गए। हीरा सिंह मार्केट पर मारवाड़ी युवा मंच की ओर से भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। डिगिहा चौराहे पर स्थित संहारिणी मंदिर के सामने भक्तों द्वारा प्रसाद वितरण चल रहा है। जिले के पयागपुर, विशेषरगंज और हुजूरपुर समेत अन्य ग्रामीण इलाकों में भी भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। भजन–कीर्तन के बीच श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। भंडारों में प्रसाद पाने के लिए बड़ी संख्या में लोग पंडालों में पहुंच रहे हैं।

तीन बच्चों के पिता ने नशे की हालत में लगाई फांसी, जांच में जुटी पुलिस

बहराइच। जिले में एक दुखद घटना सामने आई है। कैसरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत भखुरा माफी में एक युवक ने सोमवार रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान सलीम के पुत्र नसीम उम्र (30) के रूप में हुई है। घटना की जानकारी के अनुसार, नसीम शाम के समय नशे की हालत में घर आया। वह सीधे अपने कमरे में गया और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर परिजन उसे आवाज देने लगे। जब कोई जवाब नहीं मिला तो उन्होंने दरवाजा खोलने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हुए। परिजनों ने दीवार के झरोखे से देखा तो नसीम ने छत के छल्ले में दुपट्टा बांधकर फांसी लगा रखी थी। तुरंत गांव के प्रधान अतीक अहमद और पुलिस को सूचना दी गई। नसीम के तीन छोटे बच्चे हैं – 5 वर्ष, 3 वर्ष और 6 माह की उम्र के। नसीम सब्जी बेचती था। पोस्टमॉर्टम के बाद शव को गांव लाया गया, जहां क्षेत्र के लोग अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए एकत्र हुए। नसीम सब्जी बेचती था। मृतक नसीम की मां नजमा और बीवी बानो से पूछताछ किया गया तो दोनों ने बताया की शाम के वक्त नशे की हालत में नसीम घर आए और घर में घुसकर कमरे का दरवाजा बंद कर लिया। जब काफी देर दरवाजा नहीं खुला तो हम लोग उसकी आवाज देने लगे फिर भी किसी तरह से दरवाजा नहीं खुला। नसीम ने दरवाजा अंदर से बंद किया था। दरवाजे को धक्का लगाया, लेकिन दरवाजा नहीं खुला जिसके बाद दीवाल के झरोखे से झांक गया तो देखा की नसीम ने एक कपड़े से फांसी लगा रखी है। थाना प्रभारी सुरेंद्र मिश्रा ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच जारी है। पोस्टमॉर्टम के बाद शव आया और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गयी है। पूरे गांव में शोक का माहौल है।

1 लाख रुपए के साथ 4 तस्कर गिरफ्तार, 130 किलो गांजा और हथियार बरामद

बस्ती। थाना लालगंज पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त अभियान में सोमवार देर रात शोभनापार गांव के पास से चार अंतर्राज्यीय गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में सूरज चौधरी और शाहिद अली बस्ती के, हनुमान यादव जौनपुर के और श्याम राज चंदौली के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों से 130 किलो गांजा बरामद किया है। इसके अलावा एक पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस, एक रिवॉल्वर और दो जिंदा कारतूस भी मिले हैं। तस्करों के पास से एक इको स्पोर्ट्स कार, एक ट्रक और 1,08,950 रुपए नगद भी बरामद हुए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे उड़ीसा से गांजा लाकर स्थानीय स्तर पर सप्लाई करते हैं। सूरज चौधरी ने कबूला कि उसने बिहार से हथियार खरीदे हैं। गांजे की बिक्री से कमाए पैसों से उसने कार खरीदी और अपना सप्लाई नेटवर्क बनाया है। आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी गंभीर है। हनुमान यादव पर मिर्जापुर, बनारस और सोनभद्र में एनडीपीएस व गैंगस्टर एक्ट समेत आठ मामले दर्ज हैं। सूरज पर बस्ती और संतकबीरनगर में पांच मामले दर्ज हैं। प्रभारी निरीक्षक लालगंज शशांक शेखर राय और स्वाट टीम के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में सर्विलांस टीम भी शामिल थी।

एएमयू के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र, जवां का शैक्षणिक भ्रमण

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा फोर ईयर अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम के अंतर्गत वोकेशनल कोर्स कर रहे बीए छठे सेमेस्टर के छात्रों के लिए हाल ही में जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के सामुदायिक चिकित्सा विभाग के ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र, जवां का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य छात्रों को ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा की वास्तविक चुनौतियों से रूबरू कराना और अकादमिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ना था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, के अनुरूप इस भ्रमण ने छात्रों को डॉक्टरों, मरीजों और मेडिकल इंटर्न से संवाद करने, स्वास्थ्य ढांचे को प्रत्यक्ष देखने और यह समझने का अवसर प्रदान किया कि किस प्रकार आरएचटीसी ग्रामीण भारत में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने में भूमिका निभाता है। छात्रों ने केंद्र की कार्यप्रणाली और इसके माध्यम से समावेशी राष्ट्रीय विकास में इसके योगदान को भी करीब से समझा। इस शैक्षणिक दौरे में प्रो. निसार अहमद खान, प्रो. शहरोज आलम रिजवी (अध्यक्ष), प्रो. एस.एम. जावेद अख्तर, प्रो. मोहम्मद आसिफ, प्रो. मोहम्मद आजम खान और डॉ. शिरीन रईस (कोर्स शिक्षिका) शामिल हुए। उन्होंने छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान किया और उनका उत्साहवर्धन किया। संकाय सदस्यों ने मरीजों से भी बातचीत की और उन्हें विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं और कल्याण कार्यक्रमों की जानकारी दी। प्रो. शहरोज आलम रिजवी ने फील्ड–आधारित शिक्षण की महत्ता पर बल देते हुए बताया कि यह छात्रों में समसामयिक आर्थिक और सामाजिक मुद्दों की व्यावहारिक समझ और आलोचनात्मक सोच को विकसित करने में सहायक है।

युवक पर चाकुओं से हमला, अस्पताल में भर्ती

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र में एक युवक पर चार लोगों ने हमला कर दिया। घटना करौली गांव की है। पीड़ित प्रदीप कुमार सोमवार शाम को घरेलू सामान खरीदने बाजार जा रहा था। हमलावरों की पहचान अजीत, मनोज, दीपक और नितिन के रूप में हुई है। अजीत करौली का रहने वाला है, जबकि अन्य तीन फलैदा के निवासी हैं। आरोपियों ने पहले पीड़ित से गाली–गलौज की। विरोध करने पर उन्होंने टूटी बीयर की बोतल, चाकू और लोहे के पंच से हमला कर दिया। पीड़ित को गंभीर हालत में ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी हमले के बाद जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। मंगलवार दोपहर को पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

लखनऊ का अभिमान
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं सम्पादक मो0 सफीर सिद्दीकी द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29 पुराना किला, कैंट रोड, हुसैनगंज लखनऊ से मुद्रित एवं कार्यालय न0 6 ग्रैंड मार्केट निकट मेडवेल हॉस्पिटल कैंट रोड लखनऊ उत्तर प्रदेश से से प्रकाशित।
संपादक
मो0 सफीर सिद्दीकी
मो0-9335603148,933663148
0522-4108224
E-mail - lucknowkaabhiman@gmail.com
www.lucknowkaabhiman.com
RNI.NO. UPHIN/2013/55150
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।

लखनऊ
तनवीर अहमद सिद्दीकी /संवाददाता/
व्यवस्थापक मो. 9335011869
अब्दुल रहमान संवाददाता
मो. 9621322008
शकील अहमद, छायाकार
मो. सुमित कुमार नायब
मो. नफीस अहमद, छायाकार
मो. 9026199925
अयोध्या
अयाज़ अहमद , ब्यूरो प्रमुख
9307370400
राकेश सिंह, संवाददाता
मो. 94527 14950
तुफैल अहमद, संवाददाता
मो.91 87360 18347
मो फहीम , संवाददाता/सोहावल
मो. 9919659009
रुदौली
शाहिद सिद्दीकी , संवाददाता/ रुदौली
मो.99 35 123801
फहीम अहमद, संवाददाता /रुदौली
मो.91 99360 01098
विष्णु सिकरवार ,ब्यूरो प्रमुख , आगरा
9411650022,9837077711
नदीम अहमद सय्यद
ब्यूरो प्रमुख , गोंडा
7039999099
अताउर रहमान सिद्दीकी
सह संपादक

ज्येष्ठ माह के पहले मंगलवार पर बजरंगबली की आराधना, कई जगह भंडारे

बहराइच। जिला में ज्येष्ठ माह के पहले मंगलवार को बजरंगबली की विशेष आराधना की जा रही है। मंदिरों में सुबह से ही सुंदरकांड और पवन सूत की पूजा का आयोजन किया गया। दोपहर से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में भंडारे शुरू हो गए। हीरा सिंह मार्केट पर मारवाड़ी युवा मंच की ओर से भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। डिगिहा चौराहे पर स्थित संहारिणी मंदिर के सामने भक्तों द्वारा प्रसाद वितरण चल रहा है। जिले के पयागपुर, विशेषरगंज और हुजूरपुर समेत अन्य ग्रामीण इलाकों में भी भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। भजन–कीर्तन के बीच श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। भंडारों में प्रसाद पाने के लिए बड़ी संख्या में लोग पंडालों में पहुंच रहे हैं।

रोमियो एस3 में दमदार एक्शन दिखाएंगे ठाकुर अनूप सिंह,स्टंट के लिए नहीं लिया बॉडी डबल

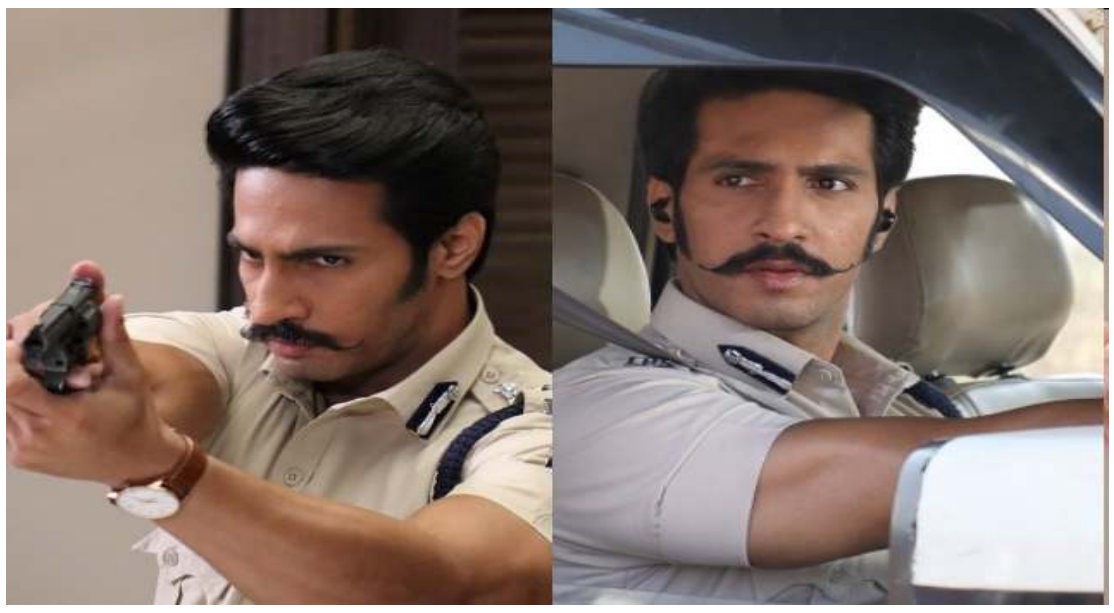

गुड्डू धनोआ निर्देशित फिल्म रोमियो एस3 एक एक्शन फिल्म होने वाली है। फिल्म 'रोमियो एस3' में पुलिस ऑफिसर के रोल में ठाकुर अनूप सिंह हैं और पलक तिवारी हीरोइन बनी हैं। यह फिल्म 16 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आइए फिल्म के लीड एक्टर से जानते हैं इसके बारे में... संग्राम सिंह शेखावत का किरदार काफी अलग और लेयर्ड है, यही बात मुझे इसमें सबसे अच्छी लगी। पहली बार मैं किसी हिंदी फिल्म में लीड रोल कर रहा हूं, और वो भी लॉन्च प्रोजेक्ट में, तो जिम्मेदारी भी बड़ी थी।गुड्डू धनोआ के साथ पहली बार काम करने का अनुभव कैसा रहा? गुड्डू सर के साथ काम करना मेरे लिए एक बड़ा मौका था। वो इतने तजुर्बेकार डायरेक्टर हैं, और हर सीन की बारीकी पर ध्यान देते हैं। उन्होंने मुझे हर स्टेप पर गाइड किया, और उनके साथ काम करके बहुत मजा आया। क्या इस किरदार को निभाना आपके लिए चुनौतीपूर्ण रहा? हां, किरदार के लिए एक खास बॉडी चाहिए थी, तो मुझे फिटनेस और डाइट का काफी ध्यान रखना पड़ा। ऊपर से मेरी एपेंडिक्स की सर्जरी भी हुई थी, जिससे ये रोल निभाना और भी मुश्किल हो गया था। आप हिंदी और साउथ दोनों इंडस्ट्री में काम करते हैं, तो एक्टिंग स्टाइल कैसे बदलते हैं?मैंने अब तक कई तरह के रोल किए हैं, और इस फिल्म का किरदार उनमें से कई का मिला–जुला रूप है। अगर लोगों ने मेरा पुराना काम पसंद किया है, तो मुझे यकीन है कि ये रोल भी उन्हें अच्छा लगेगा। आपके किरदार की चाल–ढाल और स्टाइल काफी अलग दिखती है। इस पर आपने कितना काम किया? फिल्म में मैं दो अलग–अलग किरदार निभा रहा हूंकुएक ड्रग पेडलर और एक पुलिस ऑफिसर। इसलिए मैंने दोनों की बॉडी लैंग्वेज, बोलने का तरीका और स्टाइल को अलग दिखाने पर खूब मेहनत की, जो फिल्म में साफ नजर आएगा। फिल्म में बहुत एक्शन है, आपने खुद से स्टंट किए हैं। उसकी तैयारी कैसे की? हां, फिल्म में खूब एक्शन है और वो इमोशन से जुड़ा हुआ है। सारे एक्शन सीन टीनू वर्मा ने डिजाइन किए हैं, जो जबरदस्त टेक्नीशियन हैं। और हां, जितने भी स्टंट हैं वो मैंने खुद किए हैं, कोई बॉडी डबल नहीं लिया। इस फिल्म से आप दर्शकों को क्या संदेश देना चाहते हैं? मैं चाहता हूं कि लोग हमारी पुलिस और न्याय व्यवस्था की इज्जत करें। फिल्म में उसी ताकत और जज्बे को दिखाया गया है। मैं उम्मीद करता हूं कि लोग सिनेमाघर में जाकर फिल्म देखें और हमें अपना प्यार दें। पलक तिवारी के साथ आपकी ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री कैसी रही? पलक के साथ काम करना मजेदार रहा। वो काफी एनर्जेटिक हैं और जैसी उनकी किरदार है, असल जिंदगी में भी वो वैसी ही हैं। उन्होंने फिल्म में बहुत मेहनत की और हमारी ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री भी बहुत अच्छी रही।

मेरी मां और बहन जम्मू में..हमलों के कारण कई रातों तक सो नहीं पाए शहीर शेख, बोले–मैं हमारी सेना का हमेशा रिणी रहूंगा

टीवी के फेमस एक्टर शहीर शेख ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को लेकर सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया है। जम्मू–कश्मीर के भद्रवाह से ताल्लुक रखने वाले शहीर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी चिंता जाहिर की कि कैसे हाल की घटनाओं ने उन्हें और उनके परिवार को मानसिक रूप से झकझोर दिया। शहीर ने बताया कि जब पाकिस्तान की ओर से हुए ड्रोन और मिसाइल हमलों के कारण जम्मू, पठानकोट और उधमपुर जैसे संवेदनशील इलाकों में खतरा बढ़ गया, तो उनका परिवार उस समय जम्मू में ही था। ऐसे हालातों में वह बेहद तनाव में थे और कई रातों तक सो नहीं सके। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा–मेरी मां और बहन जम्मू में हैं। इन हमलों ने हमें कई रातों तक सोने नहीं दिया। लेकिन जिस तरह से हमारी सेना ने बहादुरी से और सटीकता के साथ जवाब दिया, वह गर्व की बात है। शहीर शेख ने आगे भारतीय सेना को सलाम करते हुए लिखा हमारी सेना का मैं हमेशा ऋणी रहूंगा। जिस तरह से उन्होंने जवाब दिया, उससे हमें सुरक्षा और भरोसा मिला। जब किसी सैनिक का अपना परिवार मोर्चे पर होता है, तो उनके अपने पर क्या गुजरती है, ये मैंने महसूस किया है। आगे एक्टर ने सैनिकों के परिजनों के प्रति भी संवेदना व्यक्त की और लिखा सिर्फ सैनिक ही नहीं, उनके परिवार भी उतने ही बहादुर होते हैं। जो हिम्मत वो मैदान में दिखाते हैं, वही हिम्मत उनके परिवार मैदान से बाहर दिखाते हैं। आज जिन लोगों ने अपने किसी को खोया है, उनके लिए मेरी दिल से संवेदनाएं हैं। सोशल मीडिया पर शहीर शेख का यह पोस्ट काफी वायरल हो रहा है और फैंस भी भावुक होकर अपनी प्रतिक्रिया देते नजर आ रहे हैं।

बम्बी मेरी बेटी..बिन शादी के ही पापा बने 24 साल के इब्राहिम अली खान, तस्वीरें शेयर कर बोले- मेरी हर दिन की खुशी

सैफ अली खान और अमृता सिंह के बेटे इब्राहिम अली खान इन दिनों अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ–साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में हैं। जहां वह जल्द ही डेब्यू के बाद नई फिल्म में नजर आने वाले हैं, वहीं अब उनकी जिंदगी में एक नन्हा और खास सदस्य जुड़ गया है। इब्राहिम ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी नई फैमिली मेंबर 'बम्बी खान' की कुछ दिल छू लेने वाली तस्वीरें शेयर की हैं। बम्बी एक प्यारी सी पपी (कुत्ते का बच्चा) है, जिसे इब्राहिम ने न सिर्फ अपनाया, बल्कि उसे अपने दिल और घर में खास जगह दी है। इब्राहिम ने बताया कि एक शूटिंग के दौरान वह पहली बार बम्बी से मिले। उन्होंने लिखा–जब मैं शूट पर था, तभी यह छोटी सी पपी मेरे पास आई और गोद में बैठ गई। इसके बाद वह मेरे साथ खेलने लगी जैसे हम बरसों से एक–दूसरे को जानते हों। उस पल से लेकर आज तक बम्बी मेरे दिल में बस गई है। अपने पोस्ट में इब्राहिम ने यह भी कहा कि अब बम्बी उनके लिए सिर्फ एक पालतू जानवर नहीं रही, बल्कि वह बेटी जैसी बन गई है। उन्होंने लिखा बम्बी अब सिर्फ डॉग नहीं, मेरी बेटी जैसी हो गई है। वो मेरी हर दिन की खुशी का हिस्सा बन चुकी है। बम्बी के साथ उनकी बॉन्डिंग की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं और फैंस को यह नया रिश्ता बहुत पसंद आ रहा है।इब्राहिम ने इस पोस्ट में यह भी बताया कि मां अमृता सिंह शुरू में घर पर डॉग लाने के खिलाफ थीं। उन्होंने साफ मना कर दिया था कि घर में पालतू जानवर नहीं रखेंगे। लेकिन इब्राहिम ने हार नहीं मानी और लगातार कोशिश करते रहे। इब्राहिम ने ष्मैंने मां को मनाने की बहुत कोशिश की। आखिरकार, मेरी जिद और बम्बी की मासूमियत ने काम कर दिया और मां मान गईं। अब बम्बी सिर्फ मेरी नहीं, पूरे घर की चहेती बन गई है।वर्क फ्रंट की बात करें तो इब्राहिम अली खान जल्द ही बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। उन्होंने फिल्म 'नादानियां' के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया है। इसके अलावा वह दो और बड़ी फिल्मों 'सरजमीन' और 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3' का हिस्सा बनने जा रहे हैं।

पाकिस्तान में ब्लास्ट होता है तो वो भारत का नाम नहीं लेते..सलमान खान का चौंकाने वाला वीडियो वायरल

भारत और पाकिस्तान के बीच का तनाव बढ़ता ही जा रहा है। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से देशभर में गुस्सा देखने को मिला। जवाब में भारत ने भी आतंकियों के 9 ठिकाने उड़ा दिए। इसके बाद दोनों ही देशों ने एक दूसरे पर हमले करने शुरू कर दिए। बीते दिन सीजफायर भी हुआ था लेकिन पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया और गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। पाकिस्तान के इस रवैया पर हर बॉलीवुड के कई स्टार्स ने रिएक्शन दिए हालांकि कई स्टार्स ऐसे हैं जो इस पर चुप्पी साधे हैं। इस लिस्ट में सलमान खान का नाम भी शामिल है हालांकि सीजफायर होने पर एक्टर का एक ट्वीट सामने आया था जिसमें उन्होंने कहा था कि ऊपर वाले का शुक्र है कि सीजफायर हुआ, लेकिन इस ट्वीट को करने के तुरंत बाद ही सलमान खान ने इस ट्वीट को तुरंत डिलीट कर दिया। अब इन सबके बीच सलमान खान का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि वह पाकिस्तानी हमले और भारत के हमलों को लेकर वह बात करते नजर आ रहे हैं। सलमान खान का यह वीडियो तब का है जब 26/11 अटैक हुआ था। इस वीडियो में सलमान खान कहते नजर आ रहे हैं कि पाकिस्तान में खुद इतना हो रहा है। कितने सारे अटैक हुए हैं। वहां भी ब्लास्ट होते हैं। जिसपर पाकिस्तान का कोई कंट्रोल नहीं है। मैं वहां के अखबार तो नहीं पढ़ता लेकिन वहां पर कई ऐसी घटना होती है तो क्या वो लोग बोलते हैं कि ये हिंदुस्तानियों ने किया है, सलमान खान आगे कहते हैं कि हम भी यही दिक्कत झेल रहे हैं। जो ऐसा कर रहा है वो छोटी मोटी ऑर्गेनाइजेशन तो हो नहीं सकती ना। बड़े लेवल पर होगी। और कितने बड़े लेवल पर है वो आप खोजो। सलमान खान आगे कहते हैं कि उनका ट्रेनिंग कैंप होगा एक रूम में तो नहीं होगा। पहाड़ों के बीच में, जंगल में या किसी विराने में फुल सेटअप होगा। खुद तो बंदूकें नहीं बनाते होंगे कहीं ना कहीं से तो खरीदते होंगे। तो खोजो उसको। अब भारत–पाकिस्तान के हमले के बीच समलान खान का यह पुराना वीडियो खूब सुर्खियों में है।

हाथ-पैर में फ्रैक्चर के बावजूद भी दोस्तों संग खेली शतरंज और सुर लगाते पवनदीप के जज्बे को सलाम,दर्द में भी मुस्कुरा रहे हैं सिंगर

इंडियन आइडल 12 के विनर पवनदीप राजन हाल ही में सड़क हादसे का शिकार हो गए थे। उनका भंयकर रोड एक्सीडेंट हुआ था हालांकि गनीमत रही कि वो सही सलामत हैं। अस्पताल में उनकी कई सर्जरी हुईं। अब उनकी हालत पहले से कहीं बेहतर है। अब वो सोशल मीडिया पर भी एक्टिव हो गए हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टेटस पर स्टोरी पोस्ट की है जिसमें वो स्टाफ के साथ शतरंज खेलते दिख रहे हैं। उन्होंने लिखा, रिकवरी मोड ऑन। आपके आशीर्वाद के लिए शुक्रिया। उनका एक वीडियो भी छाया हुआ है जिसमें वो इस हालत में भी सुर लगाते नजर आ रहे हैं। उन्हें ठीक होता देख फैंस भी बेहद खुश हैं। बता दें कि पवनदीप का 5 मई 2025 को उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के पास कार एक्सीडेंट हुआ था। उनकी कार सड़क पर खड़े कैंटर ट्रक से भिड़ गई थी। हादसे में पवनदीप के अलावा दो अन्य भी गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

सक्षिप्त खबरें

पेट की मामूली गैस भी बन सकती है कैंसर का संकेत, जाने शुरुआती लक्षण और बचाव के असरदार तरीके

कैंसर एक गंभीर और जानलेवा बीमारी है जो दुनियाभर में लाखों लोगों को प्रभावित कर रही है। भारत में भी कैंसर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। कैंसर के कई प्रकार होते हैं और उन्हीं में से एक है पेट का कैंसर, जिसे गैस्ट्रिक कैंसर कहा जाता है। गैस्ट्रिक कैंसर पेट की अंदरूनी परत में होने वाली सूजन से जुड़ा होता है और यह आमतौर पर आंतों से संबंधित होता है। इस बीमारी के कई कारण और लक्षण हो सकते हैं जिन्हें जानना और समझना जरूरी है।

गैस्ट्रिक कैंसर क्या होता है?

डॉक्टरों के अनुसार गैस्ट्रिक कैंसर एक ऐसा प्रकार का कैंसर है जो अब युवाओं में भी तेजी से फैल रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण है हमारी गलत जीवनशैली (अनहेल्दी लाइफस्टाइल)। कम उम्र में ही शराब और सिगरेट की लत लगना युवाओं के लिए गंभीर खतरा बन गया है।

गैस्ट्रिक कैंसर के प्रमुख कारण

धूम्रपान और तंबाकू का सेवनः जो लोग लंबे समय तक धूम्रपान या तंबाकू का सेवन करते हैं, उनके पेट की अंदरूनी परत को नुकसान पहुंचता है। इससे कैंसर होने का खतरा काफी बढ़ जाता है। गलत खानपान की आदतेंः बहुत ज्यादा नमक, प्रोसेस्ड (डिब्बाबंद) खाना, और पैक्ड फूड्स का अधिक सेवन गैस्ट्रिक कैंसर की संभावना को बढ़ा सकता है। पारिवारिक इतिहासः अगर आपके परिवार में किसी सदस्य को पहले गैस्ट्रिक कैंसर हो चुका है, तो आपको भी इस बीमारी का खतरा अधिक हो सकता है। यह बीमारी आनुवांशिक भी हो सकती है। बार–बार गैस और अपच होनाः डॉक्टरों के अनुसार अगर आपको बार–बार गैस बनती है, या अपच की समस्या रहती है, तो यह एक शुरुआती संकेत हो सकता है जिसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। मेडिकल उपकरणों का असरः कुछ मेडिकल मशीनों से निकलने वाली किरणें (जैसे कुछ स्क्रीनिंग उपकरण) भी शरीर पर बुरा असर डाल सकती हैं। एक हालिया रिसर्च में बताया गया कि इनसे भी कैंसर का खतरा हो सकता है।

गैस्ट्रिक कैंसर के लक्षण

पेट में लगातार दर्द रहना
पेट में सूजन या फुलाव महसूस होना
भूख न लगना या भूख कम लगना
थोड़ा खाने पर भी पेट भर जाना
शरीर में खून की कमी (एनीमिया)
मल में खून आना या मल का रंग काला होना

इन लक्षणों को हल्के में न लें और समय रहते डॉक्टर से जांच करवाएं।

गैस्ट्रिक कैंसर से बचाव के उपाय

सही और संतुलित आहार लेंः फल, हरी सब्जियां और फाइबर से भरपूर भोजन का सेवन करें। ताजा और घर का बना खाना खाएं। धूम्रपान और शराब से दूरी बनाएः ये दोनों आदतें कैंसर के सबसे बड़े कारणों में से हैं। इनसे दूर रहना बहुत जरूरी है।

वजन को नियंत्रित रखेंः मोटापा भी कई बीमारियों की जड़ है, जिसमें कैंसर भी शामिल है। रोजाना थोड़ा–बहुत व्यायाम करें।

नियमित हेल्थ चेकअप कराएंः अगर आपके परिवार में किसी को कैंसर हो चुका है, तो आपको नियमित स्वास्थ्य जांच जरूर करानी चाहिए।

शरीर के नए लक्षणों को नजरअंदाज न करेंः अगर शरीर में कोई नया लक्षण दिखे या कोई तकलीफ बार–बार हो रही हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। समय पर जांच और इलाज से गंभीर बीमारी को रोका जा सकता है।

गैस्ट्रिक कैंसर एक गंभीर लेकिन समय रहते पहचाना जाए तो इसका इलाज संभव है। जरूरी है कि हम अपने खानपान, आदतों और जीवनशैली में सुधार करें और अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें। जागरूकता ही बचाव का सबसे बड़ा उपाय है।

हार्ट अटैक से पहले मिलते हैं ये अलर्ट सिग्नल, इन चीजों से बचाई जा सकती है जान

आजकल भागदौड़ भरी जिंदगी, अनहेल्दी खानपान और तनाव भरी दिनचर्या के कारण हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इंडियन हार्ट असोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार, हर साल करीब 20 लाख लोग हार्ट डिजीज के शिकार हो जाते हैं, जिनमें अधिकांश मामलों में हार्ट अटैक शामिल हैं। सबसे खतरनाक बात यह है कि यह बीमारी अब सिर्फ बुजुर्गों तक सीमित नहीं रही, बल्कि युवा भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हार्ट अटैक अचानक नहीं आता, बल्कि शरीर पहले से ही कई चेतावनी संकेत (अलर्ट सिग्नल) देने लगता है? अगर इन शुरुआती लक्षणों को समय रहते पहचान लिया जाए और जरूरी कदम उठाए जाएं, तो किसी की भी जान बचाई जा सकती है। आइए जानते हैं हार्ट अटैक से पहले मिलने वाले संकेत और उन जरूरी उपायों के बारे में जो आपकी जान बचा सकते हैं।

हार्ट अटैक के शुरुआती लक्षण

हार्ट अटैक अचानक नहीं आता। इसके लक्षण कई हफ्तों पहले से दिखने लगते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लयूएचओ) और अमेरिकन हार्ट असोसिएशन (एएचए) के अनुसार, हार्ट अटैक का सबसे सामान्य लक्षण सीने में दबाव, भारीपन या निचोड़ने जैसा दर्द होता है। यह दर्द कुछ मिनटों तक रहता है और बार–बार हो सकता है। लोग इसे सामान्य दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। इसके अलावा, बिना मेहनत किए सांस का फूलना और बाई बांह, कंधे, गर्दन, जबड़े, पेट या पीठ में अचानक दर्द होना भी हार्ट अटैक के संकेत हो सकते हैं। रात में बार–बार नींद का टूटना या उल्टी जैसा महसूस होना भी हार्ट अटैक का संकेत हो सकता है। जब हार्ट ब्लड को ठीक से पंप नहीं कर पाता तो पैरों या टखनों में सूजन आ सकती है।

हार्ट अटैक से बचने के तरीके

हार्ट अटैक के बाद के पहले 60 मिनट को श्गोल्डन आवरश कहा जाता है। इस दौरान इलाज मिलने से जान बचने के चांस 90 प्रतिशत तक बढ़ जाते हैं। इसलिए इस समय पर तुरन्त कार्रवाई करना बहुत जरूरी है।

सबसे पहला और जरूरी कदम है आपातकालीन नंबर पर कॉल करना। अगर आप अकेले हैं तो किसी परिचित को भी जानकारी दें। इस दौरान खुद गाड़ी चलाना ठीक नहीं है, क्योंकि रास्ते में परेशानी बढ़ सकती है।

एस्पिरिन

अगर आपको हार्ट अटैक के लक्षण महसूस हो रहे हैं, तो आप 300 मिलीग्राम एस्पिरिन की गोली ले सकते हैं। यह खून को पतला करती है और खून के थक्के बनने से रोकती है, जो हार्ट अटैक का मुख्य कारण होते हैं। हालांकि, एस्पिरिन लेने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।